● वर्ष-4
● अंक-80
रायपुर, मंगलवार
12 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

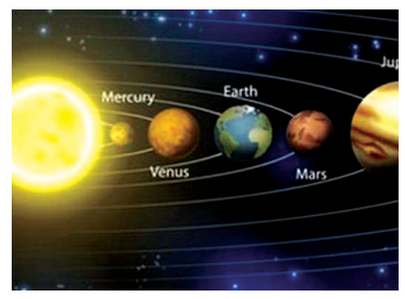

पेज-6» भ्रम में ना रहे कि कोई युग लाखों वर्ष...

सनातन बोर्ड के गठन की मांग

देवकीनंदन ठाकुर ने की सरकार से अपील

लखनऊ। सनातन न्यास फाउंडेशन के अध्यक्ष और प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने 11 अक्टूबर को हजरतगंज स्थित प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में एक अहम एलान किया। उन्होंने बताया कि सनातन न्यास फाउंडेशन 16 नवंबर को दिल्ली के शाहदरा में एक भव्य धर्म संसद का आयोजन करने जा रहा है, जिसमें सनातन धर्म की रक्षा के लिए सरकार से सनातन बोर्ड के गठन की मांग की जाएगी।

देवकीनंदन ठाकुर ने इस मौके पर पूर्व सरकारों की नीतियों पर कड़ी आलोचना की और कहा कि पिछले 75 वर्षों में एक विशेष समुदाय के हितों की पूर्ति की गई है, जबकि हिंदू समाज के धार्मिक अधिकारों और मंदिरों की अनदेखी की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अब वही लोग हमारे मंदिरों पर अपना दावा कर रहे हैं, और भविष्य में वे संसद तक का दावा कर सकते हैं। इसलिए, उन्होंने केंद्र सरकार से सनातन धर्म के हितों की रक्षा के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन करने की अपील की।

साथ ही, देवकीनंदन ठाकुर ने सरकार से यह भी मांग की कि देश भर के कृष्ण मंदिरों का निर्माण कराया जाए, पुजारियों और मंदिरों में सेवा में लगे कर्मियों को 15-15 हजार रुपये का मासिक वेतन दिया जाए, और सभी मंदिरों में धर्माचार्यों को ही पुजारी के रूप में नियुक्त किया जाए। उन्होंने तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी आवश्यकता जताई।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार के बारे में पूछे जाने पर ठाकुर ने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश में सुधार की प्रक्रिया शुरू हो जाए तो यह पूरे देश के लिए एक सकारात्मक उदाहरण बनेगा। उन्होंने तौकीर रजा के विवादास्पद बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, और कहा कि यह बयान असंवैधानिक हैं। योगी सरकार को इस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

इस संवाददाता सम्मेलन में देवकीनंदन ठाकुर ने यह भी कहा कि हिंदुओं को अपनी सुरक्षा के लिए केवल 5 मिनट की छूट मिल जाए, तो वे अपने धार्मिक अधिकारों को पूरी तरह से सुरक्षित कर लेंगे। उनका यह बयान धर्मनिरपेक्षता और समाज के बीच बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता का संकेत है। इस महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता से यह साफ हो गया कि देवकीनंदन ठाकुर और सनातन न्यास फाउंडेशन सरकार से सक्रिय और निर्णायक कदमों की मांग कर रहे हैं ताकि सनातन धर्म की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

किसी माई के लाल की हिम्मत नहीं है कि वह काट सके: योगी

हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बटेंगे तो कटेंगे और एक है तो सेफ है जैसे नारों को लेकर जबरदस्त तरीके से सुर्खियों में हैं। इन सब के बीच आज योगी आदित्यनाथ ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के पक्ष में प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने फिर से जबरदस्त तरीके से हुंकार भरी और साफ तौर पर कहा कि अगर हम बटेंगे नहीं तो किसी भी माई के लाल की हिम्मत नहीं है कि वह काट सके। उन्होंने कहा कि झारखण्ड के डालटनगंज विधान सभा क्षेत्र की रामभक्त और राष्ट्रभक्त जनता-जनार्दन का असीम उत्साह बता रहा है कि यहां हर ओर सुशासन और समृद्धि का कमल खिलने वाला है।

योगी ने साफ तौर पर कहा कि माफियाओं से निपटने के लिए ईमानदारी का जज्बा चाहिए। झारखण्ड ने तय कर लिया है, एकजुट होकर यहां की भ्रष्ट सरकार को बदलेंगे। सत्तारुढ़ गठबंधन पर उन्होंने आरोप लगाया कि झारखण्ड की डेमोग्राफी चेंज की जा रही है, झारखण्ड के अंदर व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण कराया जा रहा है। लव जिहाद और लैंड जिहाद के नाम पर अराजक गतिविधियों को पनपाया जा रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि झारखण्ड की रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा की गारंटी भारतीय जनता पार्टी है। भाजपा नेता ने कहा कि झारखण्ड को आज उसकी पहचान के लिए तरसना पड़ रहा है।

पहले दिन 45 केस की सुनवाई की

न्यायमूर्ति संजीव ने पद संभाला

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में अपने पहले दिन 45 मामलों की सुनवाई की और वकीलों के साथ-साथ बार नेताओं को शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में एक संक्षिप्त समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से शपथ दिलाए जाने के बाद सीजेआई संजीव खन्ना दोपहर के समय सीजेआई के पवित्र न्यायालय में दाखिल हुए।

तमाम वकीलों ने दी नए सीजेआई को शुभकमानाएं

पूर्व अटॉर्नी जनरल और वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी समेत तमाम बार नेताओं, वकीलों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मुकुल रोहतगी ने कहा, मैं सीजेआई के रूप में आपके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं। शुक्रवार को रोहतगी ने कहा था कि एक दशक से अधिक समय और सीजेआई वाई के सभरवाल (दिवंगत) के बाद शीर्ष अदालत को दिल्ली उच्च न्यायालय से एक और सीजेआई मिलेगा। इस दौरान न्यायालय कक्ष में मौजूद अन्य वकीलों ने भी सीजेआई को शुभकामनाएं दीं।

45 मामलों की पहले दिन सीजेआई ने की सुनवाई

दोपहर के कुछ मिनट बाद न्यायमूर्ति संजय कुमार के साथ न्यायालय कक्ष 1 में एकत्रित हुए सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा, धन्यवाद। जब एक बार नेता ने सुनवाई के लिए एक दिन में सूचीबद्ध मामलों के अनुक्रम से संबंधित मुद्दा उठाया, तो सीजेआई ने कहा कि यह उनके दिमाग में है और वे इस पर विचार करेंगे। सीजेआई ने दोपहर 2.30 बजे तक अदालत में सुनवाई की और 45 सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई की, जिनमें से ज्यादातर वाणिज्यिक विवाद थे।

छह महीने से थोड़ा अधिक समय तक रहेंगे सीजेआई

मध्यस्थता पुरस्कार के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से दायर एक याचिका में, सीजेआई ने कहा, नागरिकों को धोखा नहीं दिया जा सकता है। सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ ने राज्य सरकार की उस अपील पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें मध्यस्थता पुरस्कार के खिलाफ राज्य सरकार से मॉरीशस स्थित कंपनी को वादा किए गए कर प्रोत्साहन के लिए भुगतान करने को कहा गया था।

14 मई, 1960 को जन्मे सीजेआई संजीव खन्ना छह महीने से थोड़ा अधिक समय तक पद पर रहेंगे और 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 13 मई को पद छोड़ देंगे। उन्होंने न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ का स्थान लिया, जिन्होंने रविवार को पद छोड़ दिया।

मुख्यमंत्री साय के रोड शो में उमड़ी जनता

रायपुर। रोड शो में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस उप मुख्यमंत्री अरूण साव, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रत्याशी सुनील सोनी सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक एवं भाजपा प्रदेश पदाधिकारी हुए शामिल। जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान पूरे यात्रा मार्ग के दोनों तरफ भारी संख्या में जनता-जनार्दन ने उपस्थित होकर भाजपा के प्रति अपना अगाध समर्थन व विश्वास व्यक्त किया।

(विस्तृत समाचार पृष्ठ 3 पर)

अंतर राज्यीय परिषद का पुनर्गठन

नई दिल्ली। केंद्र-राज्य और अंतर राज्यीय समन्वय एवं सहयोग के लिए काम करने वाली अंतर राज्यीय परिषद का पुनर्गठन किया गया है। परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और नौ केंद्रीय मंत्री इसके सदस्य बनाए गए हैं। साथ ही 13 केंद्रीय मंत्रियों स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं।

गृह मंत्रालय से जारी अधिसूचना के अनुसार, एनडीए के सहयोगी दलों जनता दल (यूनाइटेड), जनता दल (सेक्युलर), तेलुगुदेशम पार्टी और लोक जनशक्ति पार्टी से जुड़े केंद्रीय मंत्री पुनर्गठित परिषद का हिस्सा हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि पीएम मोदी इसके अध्यक्ष होंगे। विधानसभा वाले सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री तथा विधानसभा न रखने वाले केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासक उच्चाधिकार प्राप्त समिति के सदस्य होंगे।

सहकारी संघवाद को बढ़ावा

परिषद का उद्देश्य देश में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने और समर्थन देने के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचा बनाने के अलावा केंद्र-राज्य और अंतरराज्यीय समन्वय एवं सहयोग के लिए काम करना है।

ये केंद्रीय मंत्री सदस्य

परिषद के सदस्यों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, जगत प्रकाश नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, मनोहर लाल खट्टर, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, वीरेंद्र कुमार और राममोहन नायडू शामिल हैं।

ये हैं स्थायी आमंत्रित सदस्य

परिषद के स्थायी आमंत्रित सदस्यों में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, एस जयशंकर, एचडी कुमारस्वामी, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, जीतनराम मांझी, जुएल ओरांव, अश्विनी वैष्णव, भूपेंद्र यादव, किरेन रिजिजू, जी किशन रेड्डी, चिराग पासवान और सीआर पाटिल हैं।

प्रमुख समाचार

गारंटियों के कारण कर्नाटक के खजाने पर बोझ -सिद्धारमैया

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्वीकार किया कि उनकी सरकार द्वारा लागू की गई पांच गारंटियां राज्य के खजाने पर बोझ डाल रही हैं। लेकिन यह स्पष्ट कर दिया कि पहल बंद नहीं होगी और पांच साल तक जारी रहेगी। उनका बयान उस विवाद के बीच आया है जिसमें कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी की राज्य इकाइयों को केवल वही वादे करने की सलाह दी थी जो राजकोषीय रूप से करने योग्य हों, जिन्हें कर्नाटक सहित कांग्रेस शासित राज्यों के संबंध में देखा गया था। उन्होंने कहा कि हमारे 2024-25 के बजट में, हमने विकास कार्यों के लिए 1.20 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। इसमें से 56,000 करोड़ रुपये गारंटी के लिए और 60,000 करोड़ रुपये से अधिक विकास कार्यों के लिए आवंटित किए गए हैं। स्वाभाविक रूप से, यह राज्य के खजाने पर बोझ होगा। लेकिन, हम विकास कार्यों को रोके बिना प्रबंधन कर रहे हैं, और हम सभी खर्चों को पूरा कर रहे हैं। (पीएम) नरेंद्र मोदी जी ने खुद राजस्थान में बयान दिया था कि अगर ये गारंटी लागू की गई, तो कर्नाटक सरकार दिवालिया हो जाएगी.

राहुल देश को बांटने की कोशिश कर रहे-शिवराज

भोपाल । केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पहले राष्ट्र, फिर जाति का आह्वान करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर देश को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भोपाल में संवाददाताओं से मुखातिब शिवराज ने जुड़ेंगे तो जीतेंगे पर जोर देते हुए कहा कि भारत समानता और एकता की भूमि है। उन्होंने कहा कि बांटने की राजनीति करने के बजाय राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा, पहले राष्ट्र, फिर जाति। राहुल गांधी आप कितना बांटेंगे? ये विभाजनकारी लोग हैं, जो राजनीतिक लाभ के लिए भेदभाव करते हैं और देश को बांटते हैं। उन्होंने जाति जनगणना को लेकर राहुल की टिप्पणियों की तरफ इशारा करते हुए कहा, वे देश के हितैषी नहीं हैं। वे वोटों की खातिर विदेशी धरती पर भारत की आलोचना करते हैं। शिवराज ने कहा, हम सब भारत माता के बेटे हैं। भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सरकार ही है, जिसने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया है।

हिंदुत्व विचारधारा की स्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे- पन्नू

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अयोध्या राम मंदिर पर हमले की धमकी दी है। उसने कहा है कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी। कहा जा रहा है कि पन्नू ने यह वीडियो कनाडा के ब्रैम्पटन में रिकॉर्ड किया है। कनाडा के प्रोत्साहन से खालिस्तानियों के हौंसले इस हद तक बढ़ गए हैं कि खालिस्तानी अब सीधे तौर पर अयोध्या में राम मंदिर को निशाना बनाने की धमकी देने लगे हैं। खालिस्तानी आतंकी (कनाडा स्थित आतंकवादी) गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी कर हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्र राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दी है। आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख पन्नू ने जारी एक वीडियो में कहा कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी। कहा जा रहा है कि पन्नू ने यह वीडियो कनाडा के ब्रैम्पटन में रिकॉर्ड किया है। वीडियो में राम मंदिर और कई अन्य हिंदू धार्मिक स्थलों के खिलाफ हिंसा भड़काने की भी धमकी दी गई है।

मालेगांव बम विस्फोट पर आधारित फिल्म के खिलाफ याचिका

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट आगामी हिंदी फिल्म मैच फिक्सिंग बॉम्बे हाई कोर्ट आगामी हिंदी फिल्म मैच फिक्सिंग। ये 15 दिसंबर को रिलीज होने वाली है और कहा जाता है कि यह 2008 के मालेगांव बम विस्फोट की घटनाओं पर आधारित है। मालेगांव विस्फोट मामले में आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने एक याचिका दायर कर दावा किया कि फिल्म के चित्रण से एक सम्मानित सेना अधिकारी के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है। याचिका में यह भी कहा गया है कि मुकदमा एक बहुत संवेदनशील मुद्दे के बारे में है और इसे कला की स्वतंत्रता के रूप में लापरवाही से नहीं लिया जा सकता है। पुरोहित के वकील, धृतिमान जोशी ने न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और पृथ्वीराज चव्हाण के समक्ष तर्क दिया कि कथित तौर पर पुरोहित के जीवन को दर्शाने वाली फिल्म की रिलीज के करीब होने के कारण इसकी तत्काल समीक्षा की जानी चाहिए। फिल्म के ट्रेलर और प्रमोशनल पोस्टर में पुरोहित जैसे दिखने वाले एक सैन्य अधिकारी को वर्दी में दिखाया गया है, जो भारतीय सेना की सैन्य खुफिया इकाई में कार्यरत था।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की राहुल गांधी की शिकायत

नई दिल्ली । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान संविधान को लेकर लगाए गए आरोपों पर भाजपा ने राहुल गांधी की चुनाव आयोग से शिकायत की है। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि हमने चुनाव आयोग को बताया है कि राहुल गांधी महाराष्ट्र चुनाव में झूठ बोल रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। छह नवंबर को भी उन्होंने झूठ बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। उन्होंने संविधान की धज्जियां उड़ाईं और झूठ बोला कि भाजपा संविधान को नष्ट करने वाली है। यह झूठ है। हमने आयोग से कहा है कि इसे रोका जाना चाहिए। हमने आयोग को यह भी बताया कि राहुल गांधी ऐसा करने के आदी हैं और चेतावनी और नोटिस के बाद भी वे ऐसा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि हमने राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 353 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

भारत-चीनः भू-राजनीति अर्थशास्त्र से दूर नहीं रह सकती,

दो एशियाई दिग्गजों के बीच प्रतिस्पर्धा और सहयोग साथ-साथ

जितेंद्र उत्तम

नेपाल व भारत के बीच मानचित्र संबंधी युद्ध और चीन व भारत के बीच लंबित सीमा विवाद से उत्पन्न भू-राजनीतिक गतिरोध ने भू-आर्थिक संबंधों के विचारों को गति दी है। भू-राजनीति की प्रधानता ने शीतयुद्ध के बाद अंतर-एशियाई व्यापार और निवेश में वृद्धि द्वारा पोषित गति को पटरी से उतार दिया था। हालांकि, वाशिंगटन के साथ बीजिंग की बढ़ती कलह, वैश्विक दक्षिण का उदय और ब्रिक्स की सफलता ने चीन को भू-राजनीतिक मुद्दों पर अपनी निर्भरता पर पुनर्विचार के लिए मजबूर किया है।

भू-राजनीतिक मतभेद के बीच चीन में बदलाव

पड़ोसी देशों के साथ भू-राजनीतिक झगड़ों के प्रति अपने रवैये में चीन बदलाव का अनुभव कर रहा है। ऐसे में भारत के साथ मानचित्र विवाद से लाभ उठाने की नेपाल की रणनीति काम नहीं कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालने के अपने रवैये में बदलाव के तहत चीन ने अप्रत्याशित रूप से भारत से सीमा समझौता किया है। ऐसा लगता है कि अर्थशास्त्र आखिरकार चीन-भारत संबंधों को प्रभावित करने वाली राजनीतिक समस्याओं का समाधान पेश कर रहा है।

अरबों का द्विपक्षीय व्यापार, भारत का व्यापारिक साझेदार

भू-आर्थिक झुकाव पहले ही अपनी उपयोगिता साबित कर चुका है। चीन वर्ष 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर उभरा है। यह असाधारण उपलब्धि तब मिली, जब दोनों देश खूनी सीमा संघर्ष में उलझे थे और भारत ने 220 चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया था। अधिक आत्मनिर्भरता और बीजिंग के साथ व्यापार पर अंकुश लगाने के बावजूद भारत अब भी चीनी वस्तुओं पर बहुत ज्यादा निर्भर है। दोनों देशों के बीच मांग-आपूर्ति का बहुत बड़ा खिंचाव है और राजनीति के लिए इसे नजर अंदाज करना मुश्किल है।

एक नजर गलवां की घटना पर

गलवां की घटना के बाद सैन्य तनाव और आर्थिक प्रतिबंधों के बाद भारत ने चीनी निवेश को सीमित कर दिया था। हालांकि, भू-आर्थिक निर्देशों का पालन करते हुए भारत ने कुछ चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनियों के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जो चीन के प्रति भारत के आर्थिक रुख में बदलाव का संकेत है। इससे पता चलता है कि भू-राजनीतिक तनाव अस्थायी रूप से भू-आर्थिक संबंधों को पटरी से उतार सकते हैं, पर उन्हें लंबे समय तक कमजोर नहीं कर सकते।

दो कारणों का मूल आधार समझिए

इसे दो कारणों से समझा जा सकता है कि चीन अचानक भू-अर्थशास्त्र की ओर क्यों मुड़ रहा है। पहला, यह कि बड़े पैमाने पर उत्पादित चीनी वस्तुओं के प्रति पश्चिम में रुचि घट रही है। ट्रंप प्रशासन ने लगभग 300 अरब डॉलर के चीनी उत्पादों पर व्यापक टैरिफ लगाया था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने न केवल उस टैरिफ को बरकरार रखा, बल्कि लगभग 15 अरब डॉलर के चीनी आयात पर कुछ टैरिफ दरों को बढ़ाने का फैसला किया। यूरोपीय देशों ने भी चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात पर 45 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने पर अमेरिका का अनुसरण किया।

दूसरा, यह स्पष्ट संकेत है कि ग्लोबल साउथ पश्चिमी प्रभाव से बाहर निकल रहा है। लगता है कि चीन महान शक्ति के रूप में अपनी नई-नई स्थिति से बहक गया है, और अपनी कथित शांतिपूर्ण वृद्धि की परिकल्पना से बाहर नीतिगत मामलों में मुखर हो रहा है। चीन अक्सर भारत सहित कई पड़ोसी देशों के साथ क्षेत्रीय विवादों को उकसाता है। पश्चिम ने चीन की धमकियों का इस्तेमाल एक नए भू-राजनीतिक मंच का आधार बनाने के लिए किया, जो बीजिंग के अनियंत्रित व्यवहार का मुकाबला कर सके। एक नया भू-राजनीतिक समूह हिंद-प्रशांत 'चीन को रोकने' के लिए समर्थन जुटाने की खातिर सामने आया। अचानक, चीन विरोधी बयानबाजी ने जोर पकड़ लिया और कई देश बीजिंग को सबक सिखाने के लिए 'सैन्य गठबंधन' की बात करने लगे।

इन सबने चीन के निर्यातोन्मुखी विकास मॉडल को कमजोर करना शुरू कर दिया, जिसके विनिर्माण उद्योगों को पश्चिमी बाजारों की जरूरत है। उधर संयुक्त पश्चिम ने चीनी वस्तुओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने का कदम उठाया। अचानक, चीनी वस्तुओं के खिलाफ टैरिफ चीन विरोधी भावनाओं को बढ़ाने के लिए चर्चा का एक नया विषय बन गया।

चीन का आश्वासन

बढ़ते टैरिफ के जरिये पश्चिमी दबावों का मुकाबला करने के लिए चीन ने ब्रिक्स को एक उपयुक्त मंच के रूप में देखना शुरू किया, जो उसके रणनीतिक घेरे के लिए एक प्रतिकारक शक्ति बनाने में मदद कर सकता है। ब्रिक्स के सफल विस्तार ने चीनी नेतृत्व को आश्वस्त किया कि पश्चिमी प्रभुत्व लुप्त हो रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने महसूस किया कि ग्लोबल साउथ के साथ ब्रिक्स की निकटता पश्चिमी प्रभुत्व को कम करने की क्षमता रखती है। इस बिंदु पर चीन ने भू-राजनीतिक सक्रियता से बाहर निकलने के लिए निर्णायक कदम उठाए और विशाल विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करने के लिए भू-अर्थशास्त्र को एक नए तरीके से अपनाने के संकेत दिए। ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग भारत सहज ही बीजिंग की प्राथमिकता बन गया।

चीन का दावों का हवाला

चीन के भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से परिचित नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा जैसे भारतीय क्षेत्रों पर क्षेत्रीय दावों का हवाला दिया।

जनजातीय गौरव दिवस पर सीएम साय और मनसुख मांडविया करेंगे भव्य पदयात्रा

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में 13 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर एक खास पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस पदयात्रा का नेतृत्व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया करेंगे। यह आयोजन भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में हो रहा है, जिसमें आदिवासी समुदाय के योगदान और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सम्मानित किया जाएगा।

इस पदयात्रा में 10,000 से अधिक मेरा युवा भारत के युवा स्वयंसेवक शामिल होंगे, जो आदिवासी संस्कृति, धरोहर और परंपराओं को बढ़ावा देंगे। पदयात्रा कोमोडो गांव से शुरू होकर रंजीत स्टेडियम तक 7 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में आदिवासी कला, संगीत, और पारंपरिक नृत्य का प्रदर्शन होगा, जिसमें आदिवासी समुदाय की समृद्ध संस्कृति की झलक मिलेगी।

इस पदयात्रा के दौरान कई सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें आदिवासी नायकों की झांकियाँ, रंगोली, पारंपरिक पेंटिंग्स और लाइव कार्यशालाएं शामिल होंगी। इसके अलावा, आदिवासी भोजन का स्वाद चखने का अवसर भी मिलेगा, जो सेहत के लिए लाभकारी है।

यह आयोजन आदिवासी धरोहर और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है, और छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने युवाओं को इस आयोजन में शामिल होने और आदिवासी संस्कृति से जुड़ने का संदेश दिया है।

बीजापुर जिले के मुख्य अतिथि होंगे सांसद महेश कश्यप

जगदलपुर। जगदलपुर में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन पूरे छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। सभी जिला मुख्यालयों में भी कार्यक्रम का आयोजन होने की सूचना दी गई है, जिसके लिए राज्य सरकार ने अतिथियों की सूची भी जारी कर दी है। 15 नवम्बर जनजातीय गौरव दिवस पर जिला स्तर पर होने वाले आयोजनों में राज्य सरकार के मंत्री, केंद्रीय राज्य मंत्री, सांसद और वरिष्ठ विधायकों को मुख्य अतिथि बनाया गया है। राज्य सरकार ने इसकी सूची जारी कर दी है, बस्तर सांसद महेश कश्यप को बीजापुर जिले के मुख्य अतिथि के रूप में जिम्मेदारी दी गई है।

महेश कश्यप सांसद बस्तर के द्वारा पवित्र चार धामों में एक जगन्नाथ पुरी की पावन धरा पर जगत के स्वामी भगवान श्री जगन्नाथ जी, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा जी के सपरिवार दर्शन करते हुए 12वीं शताब्दी में कलिंग शैली में निर्मित हुआ यह प्राचीन मंदिर पहुँच कर प्रभु जगन्नाथ के चरणों में छत्तीसगढ़ एवम बस्तर के सुख,शांति और समृद्धि की कामना करते हुए छत्तीसगढ़ बस्तर सहित क्षेत्रवासियों के खुशहाली की कामना की है।

बाघ को जहर देकर मारने का मामला

हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, वन विभाग से किया जवाब तलब

बिलासपुर। तीन दिन पहले कोरिया वनमंडल में बाघ को जहर देकर मारने के मामले में हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर जवाब तलब किया है। बाघ की मौत के बाद वन विभाग के अफसर घटना स्थल पहुंचकर दो किलोमीटर के दायरे में रह रहे लोगों से पूछताछ करने में जुटे हैं।

बता दें कि पिछले हफ्ते शुक्रवार को वन अफसरों को गुरु घासीदास नेशनल पार्क से सटे एरिया में ग्रामीणों के माध्यम से मृत बाघ के बारे में जानकारी मिली। बाघ की बॉडी 2-3 दिन पुरानी थी। घटना की सूचना पाकर कोरिया डीएफओ, गुरु घासीदास नेशनल पार्क के डायरेक्टर, सीसीएफ सरगुजा सहित वन अफसर मौके पर पहुंचे। बाघ का पोस्टमार्टम कराने पर रिपोर्ट में उसे जहर देकर मारने की पुष्टि हुई है।

बाघ का पीएम वन विभाग, पुलिस, एनटीसीए के प्रतिनिधि व

ग्रामीणों की उपस्थिति में चार सदस्यीय पशु चिकित्सकों की टीम ने किया। पोस्टमार्टम के बाद बाघ के जरूरी अंगों को लैब टेस्ट के लिए सुरक्षित रखा गया है। घटना के दूसरे दिन रायपुर से एपीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ घटना स्थल पहुंचे थे। बाघ को बदले की भावना से जहर देने की आशंका जताई जा रही है। बाघ द्वारा मवेशी के शिकार करने से मवेशी मालिक आक्रोशित हो गया होगा और उसने बाघ को मारने मवेशी के शेष बचे मांस में जहर मिलाकर दिया होगा।

संदेहियों से पूछताछ कर रहे अफसर

अफसर अलर्ट रहते तो जिस ग्रामीण के मवेशी का बाघ ने शिकार किया था, उस मवेशी के मालिक को वन अफसर तत्काल मुआवजा राशि उपलब्ध करा देते तो बाघ को जहरखुरानी से बचाया जा सकता था। घटना के पूर्व बाघ ने कहां-कहां विचरण किया, बाघ ने जिस जगह मवेशी का शिकार किया, उस जगह पहुंचकर मवेशी के बचे शेष मांस में किसने जहर मिलाया। इसकी जांच गोमर्डा अभयारण्य से आई डॉग स्क्वाड की टीम ने की है। संदेह के आधार पर वन विभाग के अफसर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे हैं।

कवर्धा पीजी कॉलेज में 50 लाख की धांधली, एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

कार्यालय के बाहर बैठे कार्यकर्ता

कबीरधाम। कवर्धा शहर के पीजी कॉलेज में 50 लाख रुपए की गड़बड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर आज सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग किया। इसके अलावा 11 सूत्रीय मांग भी शामिल है। एबीवीपी कार्यकर्ता दोपहर 12 से एक बजे तक पीजी कॉलेज प्राचार्य के कार्यालय के बाहर बैठे रहे।

एबीवीपी नेता तुषार कुमार ने बताया कि हाल में ही कॉलेज के जनभागीदारी शुल्क की राशि 50 लाख से अधिक का गबन का मामला सामने आया है। इससे कॉलेज को नुकसान हुआ है। जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बर्खास्त किया जाए। इसके अलावा एबीवीपी ने जिले में विधि, बीएड व विज्ञान कॉलेज की स्थापना करने, नालंदा परिसर के तर्ज पर विश्व स्तरीय लाईब्रेरी की स्थापना करने, पीजी कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी के लिए छात्रावास की व्यवस्था करने, भवन पर्याप्त नहीं है। ऐसे में कॉलेज में पूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ संचालित किया जाएं। प्राध्यापक की कमी दुर किया जाए।

पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तक की व्यवस्था की जाए। कॉलेज में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश निषेध किया जाएं। कवर्धा शहर के कन्या कॉलेज को पूर्ण स्नातकोत्तर (पीजी) घोषित किया जाए व इस कॉलेज के छात्रावास को सुचारू रूप से संचालित किया जाएं। वहीं इस मामले कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीएस चौहान ने बताया कि जनभागीदारी शाखा का कामकाज देख रहे क्लर्क प्रमोद वर्मा ने यह गड़बड़ी की है। क्लर्क को दो बार नोटिस भी दिया जा चुका है। वह कॉलेज नहीं आ रहा है। इसके अलावा अभी तक उसने जवाब नहीं दिया है। अक्टूबर माह में ये गड़बड़ी हुई है। फिलहाल राशि के संबंध ने स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। बैंक से स्टेटमेंट मंगाया जा रहा है। मामले में जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धान खरीदी से पहले किसान का लाखों का धान जलकर खाक

कवर्धा। यह घटना कबीरधाम जिले के लोहारा थाना अंतर्गत ग्राम सारी की है। यहां किसान भगोली साहू के ट्रैक्टर में शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिसके बाद ट्रैक्टर में लदा लाखों रुपए का धान जलकर खाक को हो गया। ग्रामीणों ने ट्यूबवेल की मदद से आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन धान सूखा होने के कारण चंद मिनटों में जलकर खाक हो गया। इस आगजनी में किसान को लाखों का नुकसान हुआ है। किसान की साल भर की मेहनत बर्बाद हो गई।

पीड़ित किसान भागोली साहू ने बताया कि कर्ज लेकर अपने खेत में धान की फसल लगाया था और आज धान काटकर घर ले जा रहा था ताकि मिसाई कर धान सोसायटी में बेच सके लेकिन इस आगजनी में सारा धान जलकर खाक हो गया।

दरअसल भगोली साहू धान कटाई कर फसल को ट्रैक्टर से अपने घर ले जा रहा था ताकि 14 नवंबर को धान खरीदी के पहले ही दिन सोसायटी में बेच सके और कर्ज अदा कर सके। घर पहुंचने से पहले ही सड़क पर बिजली तार की चपेट में आने से शार्ट सर्किट हुआ और ट्रैक्टर में आग लग गई।

फायरब्रिगेड को आग लगने की घटना की सूचना दी गई लेकिन फायरब्रिग्रेड के आने से पहले ही आग से पूरी फसल जलकर राख हो गई। पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है। किसान का कहना है कि अब उसके पास ना ही सालभर खाने के लिए अनाज बचा और ना ही कर्ज चुकाने के लिए पैसा। किसान ने अब शासन प्रशासन से उम्मीद लगाई है ताकि फसल का मुआवजा मिल जाए तो वह किसी तरह परिवार का भरण पोषण कर सके।

लाखों का ऑक्सीजन प्लांट पड़ा बेकार, नया जिला अस्पताल शिफ्ट करने की तैयारी

कोरिया। जिले के कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल को कोविड की तीसरी लहर के दौरान स्थानीय मरीजों को ऑक्सीजन सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए लाखों रुपए खर्च कर तैयार किया गया था। कोविड हॉस्पिटल परिसर में डीआरडीओ द्वारा पीएम केयर फंड से 3 साल पहले 500 एमपीएम क्षमता वाले ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना की गई थी।

कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल का ऑक्सीजन प्लांट 40 बेड पर एक साथ ऑक्सीजन सप्लाई करने की क्षमता रखता था। अस्पताल के आईसीयू में इसके लिए पाइपलाइन कनेक्ट की गई थी, लेकिन यह व्यवस्था कुछ ही महीनों में बंद हो गई। अब प्लांट में ताला लटका हुआ है और इसके खराब होने की आशंका जताई जा रही है।

सीएमएचओ डॉ। प्रशांत सिंह ने कहा कोविड हॉस्पिटल का ऑक्सीजन प्लांट अभी चालू हालत में है, लेकिन वर्तमान में कोविड के मरीज नहीं हैं, इसलिए इसका उपयोग नहीं किया जा रहा है।

प्लांट की 3 साल की वारंटी अवधि समाप्त हो चुकी है। हालांकि जिला अस्पताल में एक 1000 एलपीएम क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट ठीक से काम कर रहा है, जबकि कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल का प्लांट पूरी तरह से निष्क्रिय हो चुका है। कोविड हॉस्पिटल में लगे वेंटिलेटर भी शो पीस की तरह रखे हैं, क्योंकि इनका इस्तेमाल नहीं हो रहा।

अस्पताल में वेंटिलेटर और ऑक्सीजन प्लांट को चलाने के लिए टेक्नीशियन की कमी भी एक और बड़ी समस्या बन गई है। वर्तमान में जिला अस्पताल और कोविड हॉस्पिटल के पास दो ऑक्सीजन प्लांट हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ एक का ही उपयोग हो रहा है।

सीएमएचओ डॉ। प्रशांत सिंह ने कहा कोरिया जिला चिकित्सालय में हमने कुछ उपकरण दिए हैं, तो कुछ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी भेजा गया है। कुछ उपकरण मनेंद्रगढ़ भेजे गए हैं। जहां जरुरत पड़ती है, वहां उपकरण शिफ्ट किए जा रहे हैं। नए जिला अस्पताल के तैयार होने के बाद इसे फिर से उपयोग में लाया जाएगा।

कंचनपुर कोविड हॉस्पिटल को नया जिला अस्पताल बनाने की प्रक्रिया भी चल रही है। नए अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट की शिफ्टिंग की योजना है, जिससे पुरानी मशीनों का फिर से उपयोग किया जा सकेगा। जिला अस्पताल में पाइप सप्लाई के माध्यम से ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे बेड तक ऑक्सीजन पहुंचाने और सिलेंडर की कमी की समस्याओं से निजात मिली है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आधी रात को राइस मिल में छापा, तीन ट्रक किए जब्त

जगदलपुर। बकावंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राइस मिल में बीती रात छह विभाग के अधिकारियों ने छापा मार कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के दौरान विभाग को आंध्र प्रदेश का सरकारी चावल भी राइस मिल से जब्त किया गया है। इस कार्यवाही से अन्य जगहों में हड़कंप मच गई है। बताया जा रहा है कि बहुत दिनों से विभाग को जानकारी मिल रही थी कि सरगीपाल स्थित नारायण राइस मिल में पीडीएस का चावल उपयोग करने के साथ ही उसका मिलिंग किया जा रहा है। सूचना के बाद से लगातार विभाग के आला अधिकारियों के द्वारा नजर बनाए हुए रखे थे। बीती रात अचानक से टीम ने नारायण राइस मिल में छापा मार दिया। इस दौरान टीम को तीन ट्रैकों में चावल मिला। इन चावलों में आंध्र प्रदेश में उपयोग होने वाली पीडीएस चावल भी बरामद किया गया, साथ ही 1650 जुट और प्लास्टिक के खाली बोरे भी बरामद किए हैं। इस कार्यवाही के चलते इस बात को लेकर कहा जा रहा है कि इस राइस मिल के माध्यम से अवैध चावल को खपाने का काम किया जा रहा था।

मुखबिरी के शक में डायल 112 चालक की पिटाई

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में दो युवकों ने मिलकर पुलिस मुखबिर के शक में डायल 112 चालक की बेतहाशा पिटाई कर दी। किसी तरह भागकर जान बचाकर पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ थाने में अपराध दर्ज कराया है। उक्त मामला छाल थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक छाल थाना क्षेत्र के ग्राम कुडेकेला का रहने वाला सचिन कुमार राठौर 23 साल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह छाल के 112 वाहन का चालक है। 10 नवंबर की रात 8 बजे वह हाई स्कूल मैदान के पास था तभी ग्राम तरेकेला का छोटू पठान उसे फोन करके लेने आया और रात्रि करीब साढ़े 8 बजे उसे कुडेकेला हाई स्कूल चैक के पास लेकर पहुंचा जहां ग्राम हाटी का मदन पटेल पहले से ही खड़ा था। पीड़ित सचिन ने बताया कि दोनों उसे 112 का वाहन चलाता है पुलिस का मुखबिरी करता है। दारू जुआ को पकड़वाता है कहते हुए अश्लील गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ मुक्कों से उसकी जोरदार पिटाई कर दी।

मैत्री बाग में बिलासपुर से आए नए मेहमान

दुर्ग। भारत और रूस मित्रता के प्रतीक कहे जाने वाले मैत्री बाग में फिर एक बार नए मेहमान लाए गए हैं। इस बार एक नर मगरमच्छ, दो नर और दो मादा बार्किंग डियर लाया गया है। जिसे पर्यटकों के लिए केज में छोड़ा गया। मैत्री बाग प्रबंधन भी बिलासपुर के कानन पेंडारी जू को 20 सांभर देगा। एक मादा मगरमच्छ को कानन पेंडारी जू की टीम द्वारा मैत्री बाग जू लाया जाएगा। 20 सांभरों को भिलाई से बिलासपुर ले जाया जायेगा। मैत्री बाग में मगरमच्छ को इस महीने के आखिर तक लाने की संभावना है। मैत्री बाग जू प्रबंधन ने 1 जोड़ी भालू, 2 ऑस्ट्रिच और 1 जोड़ी मोर को भिलाई लाने के लिए सेंट्रल जू अथॉरिटी को प्रस्ताव भेजा है। यह सभी जानवर 20 सांभरों के विनिमय में ही शामिल हैं। मैत्री बाग प्रभारी डॉ. नवीन जैन ने कहा सेंट्रल जू अथॉरिटी के मार्गदर्शन के मुताबिक ही वन्यप्राणी विनिमय किया जाता है। 10 वर्ष के नर मगरमच्छ की लम्बाई 8 से 9 फीट है। यह एक साल्ट/फ्रेश वाटर क्रोकोडाइल है। यह ज्यादातर पानी में रहना पसंद करते हैं।

भिलाई में सट्टा पर कार्रवाई पुलिस की संलिप्तता का आरोप

दुर्ग। जिले में लगातार चल रहे गैरकानूनी कामों के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने अब मुहिम छेड़ दी है। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में सट्टे बाजी पर दुर्ग पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचने, गांजा बेचने और सट्टा के अवैध कारोबार की शिकायत पिछले कई दिनों से दुर्ग पुलिस को मिल रही थी। दुर्ग एसपी ने थाना प्रभारी ममता शर्मा को इस पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए लेकिन मामले में कोई सफलता नहीं मिली। जिसके बाद एसपी ने एक टीम तैयार की। इस टीम में छावनी सीएसपी हरीश पाटिल, जामुल टीआई कपिल देव पाण्डेय, छावनी थाना प्रभारी चेतन चंद्राकर को रखा। रविवार को टीम ने वैशाली नगर थाना क्षेत्र में एक घर पर छापा मारा। पुलिस को देखकर घर के अंदर मौजूद एक महिला पूर्णावती दरवाजा बंद कर अंदर मौजूद लोगों को घर से भगाने लगी। पुलिस के मुताबिक घर के अंदर काफी लोग मौजूद थे। बबलू नाम का एक युवक सट्टा लिख रहा था। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला और अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया।

दो ट्रकों में हुई जोरदार भिड़ंत फंसे चालक को निकाला गया

जगदलपुर। कोंडागांव जिले के सिंगनपुर पेट्रोल पंप के पास बीती रात दो ट्रकों में भिड़ंत हो गई, ट्रकों की भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि दोनों ट्रकों के सामने से परखच्चे उड़ गए, वहीं इस घटना में एक ट्रक का चालक फंस गया, जिसे पुलिस के साथ ही आमजनों के द्वारा घंटों की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए कांकेर अस्पताल भेजा गया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। ट्रकों में आमने सामने से हुई भिड़ंत के बाद एक ट्रक का चालक पूरी तरह से चिपक गया, जिसे निकालने के लिए क्रेन को बुलाया गया, इस बीच दोनों ट्रक के ड्राइवर भी ट्रकों में ही फंसे रहे, फायरब्रिगेड और क्रेन की मदद से ट्रक में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला गया, चालकों को बाहर निकालने में लगभग 2 घंटे से अधिक का समय लग गया। इस दुर्घटना में ड्राइवर बुरी तरह घायल हो गए हैं, करीब 2 घंटे बाद ट्रक चालकों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया, इसके बाद गंभीर हालत में 108 एंबुलेंस की सहायता से दोनों ड्राइवर को केशकाल हॉस्पिटल भेजा गया।

बढ़ते अपराधों पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई, 23 संदिग्धों को भेजा जेल

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 23 संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया है। ये सभी पिछले कुछ समय से जिले में टाइल फिटिंग, राजमिस्त्री, फेरीवाले और अन्य कामों के जरिए यहां आकर रह रहे थे, लेकिन इनकी असली पहचान संदिग्ध थी।

पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में ये सभी अपने बारे में पूरी जानकारी देने से बच रहे थे और न तो अपनी असली पहचान बता रहे थे, न ही ये बता पा रहे थे कि वे किस मकान में किराए पर रह रहे थे। इसके अलावा, इन लोगों के पास कोई किरायानामा भी नहीं था। जब पुलिस ने कड़ी पूछताछ की, तब जाकर इन संदिग्धों ने अपनी असली पहचान का खुलासा किया। ये संदिग्ध अकेले थे और उनके परिवार में कोई अन्य सदस्य नहीं था। ऐसे में पुलिस ने निर्णय लिया कि इन सभी पर कार्रवाई की जाए। पुलिस अब मकान मालिकों को भी चेतावनी दे रही है कि यदि कोई बाहरी व्यक्ति उनके मकान में किराए पर रहता है, तो उसका किरायानामा पुलिस को देना अनिवार्य होगा और इसकी जानकारी पुलिस को उपलब्ध करानी होगी। टीआई विकास उपाध्याय ने कहा, हम जिले में संदिग्धों पर लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।

मानिकपुर सर्किल में हाथी का शव मिलने से हड़कंप

- मौके पर पहुंचा वन अमला

बलरामपुर। मानिकपुर सर्किल के मुरका गांव में सोमवार सुबह धान खेत में हाथी का शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया। तत्काल वन अमला मौके पर पहुंच गया है। हाथी की मौत किस कारण हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। मौत का कारण फिलहाल अज्ञात है।

मानिकपुर सर्किल में हाथी का शव मिलने की सूचना के बाद तत्काल वन विभाग के अधिकारियों सहित पूरा अमला मौके पर पहुंचा है। मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। हाथी के शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। वनविभाग के अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा

पिछले कुछ दिनों से रामानुजगंज और बलरामपुर फॉरेस्ट रेंज के इलाके में हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इसी दौरान ये हाथी अपने दल से भटककर धान के खेत की तरफ चला गया। अब

हाथी की मौत कैसे हुई इसका पता लगाने में वन विभाग की टीम जुट गई है।

इधर गरियाबंद के उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में शुक्रवार को हाथी का बच्चा घायल हो गया। जिसकी पुष्टि वन विभाग ने रविवार को की। वन विभाग की टीम थर्मल ड्रोन और डॉग स्क्वॉड की मदद से घायल हाथी पर नजर बनाए हुए है। हाथी की उम्र 5 साल है। हाथी का ट्रीटमेंट आज से शुरू करने की बात वन विभाग के अधिकारी ने कही।

छत्तीसगढ़ में हाथी के बच्चे ने खाया बम

- कई किमी तक मिले खून के धब्बें, ड्रोन से निगरानी, शिकारी पर रखा इनाम

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बम विस्फोट से एक हाथी का बच्चा घायल हो गया है। यह घटना उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में हुई। अधिकारियों ने बताया कि हाथियों के झुंड के घुमने वाले इलाके में खून के धब्बे मिले हैं। हमारी टीम जांच कर रही है।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के निदेशक वरुण जैन ने कहा कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के पास के इलाके से हमें सूचना मिली कि हाथियों के झुंड के घूमने वाले इलाके में बड़ी मात्रा में खून के धब्बे देखे गए हैं। जब शिकार विरोधी टीम ने जांच की, तो हमने 6-7 किलोमीटर तक पैरों के निशान के लिए खून के धब्बों का पता लगाया।

निदेशक वरुण जैन ने कहा कि ड्रोन विजुअल के माध्यम से हमारे कर्मचारियों ने देखा कि एक हाथी का बच्चा जो 5 से 6 साल का है, घायल है, उसका जबड़ा सूजा हुआ है और उसके पैर में भी चोट है।

हमें पोटेशियम बम का अवशेष भी मिला। हमने रायपुर से डॉक्टरों की टीम बुलाई है। डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया है।

आगे कहा कि हम शिकारियों की तलाश कर रहे हैं। हमने शिकारियों के बारे में कोई भी जानकारी देने वालों के लिए 10,000 रुपये का इनाम घोषित किया है। हमने विस्फोटक वस्तु के बारे में पुलिस को शिकायत भी दी है। थर्मल के माध्यम से ड्रोन से हम क्षति की सीमा का पता लगाएंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा उस वक्त हुआ जब हाथी का बच्चा बम को खाने की कोशिश कर रहा था।

संक्षिप्त समाचार

विधायक देवेंद्र यादव की रिमांड अवधि बढ़ी, 14 को होगी अगली पेशी

बलौदाबाजार। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की रिमांड अवधि बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बलौदाबाजार जिला न्यायालय से 14 नवंबर तक की रिमांड की मांग की थी, जिसे न्यायाधीश ने स्वीकार कर लिया है। अब विधायक यादव को 14 नवंबर को फिर से अदालत में पेश किया जाएगा। विधायक देवेंद्र यादव की तरफ से हाईकोर्ट में भी जमानत याचिका लगी है, जिसपर 13 नवंबर को सुनवाई होनी है। गौरतलब है कि देवेंद्र यादव पर बलौदाबाजार में 10 जून को हुए आगजनी प्रदर्शन में शामिल होने का आरोप है। इससे पहले भी उनकी जमानत याचिका खारिज की जा चुकी है। वर्तमान में वे रायपुर जेल में 17 अगस्त से बंद हैं। सोमवार को उनकी पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में हुई।

मतदान के दिन 13 नवंबर को रहेगी छुट्टी कलेक्टर ने जारी किया आदेश

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव 2024 के तहत 13 नवंबर दिन बुधवार को मतदान होगा। इस दिन निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत स्थित कार्यालयों में मतदान के लिए सार्वजनिक अवकाश और सामान्य अवकाश की घोषणा की गई है। इसका आदेश रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जारी किया है।

आज देवउठनी एकादशी पर होंगे तुलसी विवाह

रायपुर। कार्तिक मास की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह कराया जाता है। कल मंगलवार को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी,इसलिए इस साल 12 नवंबर को तुलसी विवाह किया जाएगा। इसकी बहुत मान्यता है। ऐसा माना जाता है कि देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह करने से जीवन में फैली नकारात्मकता दूर हो जाती है। इन दिन विवाह समेत सारे शुभ कार्य प्रारंभ हो जायेंगे। दीपावली व कार्तिक पूर्णिमा के बीच यह त्यौहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है,कुछ लोग इसे छोटी दीवाली भी कहते हैं। इस दिन विशेष के लिए गन्ना का काफी महत्व रहता है,हर चौक चौराहों पर इसकी बिक्री हो रही है। इसी से विवाह का मंडप सजाया जाता है। अन्य पूजन सामग्रियों का बाजार भी शहर में आज से सज गया है।

खुशबु अग्रवाल को पीएचडी

रायपुर। श्रीमती खुशबु पति सौरभ अग्रवाल को इंहानसमेंट ऑफ कन्वेंश नल डाटा माईनिंग अल्गोरितम फॉर क्लासिफिकेशन एंड प्रीडकशन ऑफ लार्ज स्केल एकाडेमिक डाटा इन कंटेक्स्ट् ऑफ यूनि फाईड डिस्ट्रिक्ट इंफो मेंशन सिस्टम फॉर एजु केशंन विषय पर मेट्स यूनिवर्सिटी से पीएच डी की उपाधि दी गई है। इनकी गाइड डॉ भावना नराइन थीं। खुशबु, यूनियन बैंक के पूर्व अधिकारी धर्मेंद्र अग्र वाल, सुरेखा अग्रवाल की बहु तथा बिलासपुर की सरला, स्व. बालमुकुंद की बेटी हैं।

श्री श्याम सत्संग महिला मंडल ने जगन्नाथ मंदिर में मनाया आंवला नवमी

रायपुर। श्री श्याम सत्संग महिला मंडल ने दीपावली मिलन कार्यक्रम के तहत गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आंवला नवमी का पर्व मनाया। इस दौरान महिलाओं ने गेम भी खेले जिसमें प्रथम पुरस्कार बॉबी जैन की टीम व द्वितीय पुरस्कार ममता बंसल की टीम को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा के साथ राज अग्रवाल, योगी अग्रवाल, रेखा बजाज, श्रद्धा बजाज, ज्योति अग्रवाल, खुशबू केडिया, रश्मि अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, निधि सरावगी सहित श्री श्याम सत्संग महिला मंडल के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ज्योति अग्रवाल ने बताया कि आंवला नवमी कार्यक्रम में मंडल की 200 से अधिक बहने शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए और प्रसादी ग्रहण किया। इसके बाद सभी महिलाओं ने जगन्नाथ मंदिर के हाल में भजन कीर्तन किया, इसके बाद बैलून उछाने का गेम भी खेला गया जिसमें प्रथम स्थान बॉबी जैन की टीम व द्वितीय में ममता बंसल की टीम विजयी हुई। ज्योति अग्रवाल ने बताया कि 12 नवंबर को बाबा श्री श्याम जी का निशान यात्रा शाम को निकलेगी जिसमें जयपुर के कलाकारों द्वारा कीर्तन की प्रस्तुति की जाएगी। 13 नवंबर को मंदिर में बाबा श्री श्याम जी का दिव्य श्याम पाठ किया जाएगा इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने पद्मविभूषण सुन्दर लाल पटवा की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अविभाजित मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री श्री सुन्दर लाल पटवा की 11 नवंबर को जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पटवा जी अनुशासनप्रिय व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। सौम्य व्यक्तित्व, कुशल संगठन क्षमता से युक्त, ओजस्वी वक्ता और विभिन्न जनसमस्याओं को उठाने वाले जुझारू नेता के रूप में पटवा जी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई। वे सहकारी आंदोलन से जुड़े और अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों को संभाला। उन्होंने सहकारिता आंदोलन को जनोन्मुखी बनाया। उनके कार्यकाल में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से कमजोर वर्गों, शिल्पियों और श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के सफल प्रयोग किये गये। श्री साय ने कहा कि पटवा जी का व्यक्तित्व और कृतित्व हमें सदैव अपने दायित्वों का उत्कृष्टपूर्वक निर्वहन करने की प्रेरणा देता रहेगा।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव में भाजपा का मेगा प्रचार

■ **मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का रोड शो**

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव में सोमवार को प्रचार का अंतिम दिन रहा। बीजेपी और कांग्रेस की तरफ से प्रचार युद्ध में खूब जोर आजमाइश हुई। प्रचार के अंतिम दिन रायपुर में बीजेपी का रोड शो हुआ। इस रोड शो की कमान सीएम विष्णुदेव साय ने संभाली है। बीजेपी उम्मीदवार सुनील सोनी के पक्ष में सीएम साय ने दिग्गज नेताओं के साथ चुनाव प्रचार को लीड किया। मतदाताओं तक सीएम साय बीजेपी की बात पहुंचाते नजर आए। सीएम साय के साथ रोड शो में बीजेपी उम्मीदवार सुनील सोनी भी हैं।

रोड शो में सीएम साय के अलावा बीजेपी के वरिष्ठ नेता रमेश बैस, रायपुर से बीजेपी के सांसद बृजमोहन अग्रवाल और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव मौजूद रहे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ बीजेपी के दिग्गज नेता भी इस रोड शो में शामिल हुए। बीजेपी की तरफ से रायपुर दक्षिण सीट के पूरे क्षेत्र को इस रोड शो के जरिए कवर किया गया। जगह जगह बीजेपी कार्यकर्ताओं का हुजूम दिखा।

रायपुर दक्षिण सीट पर बीजेपी के रोड शो की शुरुआत जयस्तंभ चौक से हुई। शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ इस रोड शो की शुरुआत हुई। रोड शो के रूट की बात करें तो यह रोड शो मालवीय रोड, सदर बाजार, पुरानी बस्ती, सुंदर नगर, पंकज

गार्डन, कालीबाड़ी और पीडब्ल्यूडी चौक होते हुए नेताजी चौक तक के इलाके में निकली।

कांग्रेस ने चुनाव प्रचार में झोंकी ताकत, घर घर वोट मांगने पहुंच रहे आकाश

रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव के लिए चुनाव प्रचार सोमवार शाम 5 बजे के बाद थम गया। इसके पहले सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी पूरे दम खम के साथ चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस भी सोमवार को शक्ति प्रदर्शन किया। कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा घर घर जाकर लोगों से मिल रहे हैं और वोट मांग रहे हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पूरी ताकत झोंक दी है। आकाश शर्मा के साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद हैं। इसके पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत सहित कई नेताओं ने आकाश शर्मा के समर्थन में रैली कर चुके हैं।

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होने हैं। इसके चुनाव परिणाम 23 नवंबर 2024 को आएंगे। इस सीट से विधायक रहे बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद यह खाली हुई थी। जिसके बाद रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है। इस बार चुनाव में बृजमोहन अग्रवाल नहीं है, इसलिए कांटे की टक्कर देखी जा रही है। भाजपा ने इस सीट पर पूर्व सांसद सुनील सोनी को चुनावी मैदान में उतारा है।

बीजेपी बांट रही सोने के सिक्के, चुनाव आयोग ले संज्ञान : दीपक बैज

रायपुर दक्षिण उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी जनता को प्रलोभन देने के लिए सोने के सिक्के बांट रही है। दीपक बैज ने चुनाव आयोग से इस पर संज्ञान लेने की मांग की है। दरअसल, आज कांग्रेस भवन में प्रेस वार्ता कर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने दक्षिण उपचुनाव को लेकर कांग्रेस के मुद्दे और रणनीति को लेकर जानकारी दी। इसी बीच उन्होंने बीजेपी पर जनता को प्रलोभन देने अलग-अलग सामग्रियां बांटने का आरोप लगाया और चुनाव आयोग को संज्ञान में लेने की बात कही।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा बीजेपी दक्षिण का उपचुनाव जीतने के लिए हर हथकंडे अपना रही है। इससे साफ़ होता है कि बीजेपी डरी हुई है। उन्होंने कहा बीजेपी बिछिया, पायल, साड़ी, 5 सौ से एक हजार का नोट, ताश की गड्डी, सोने के सिक्के, दारू और अंटा गोलियां बांट रही है। इससे पता चलता है कि बीजेपी कितनी डरी हुई है। उन्होंने इस पर चुनाव आयोग को संज्ञान में लेने की भी बात कही। दीपक बैज ने कहा, बीजेपी चुनाव जीतने के लिए खुलेआम नियमों का उल्लंघन कर रही है। लेकिन दक्षिण की जनता ने ठान लिया है कि इनके सोने, कंबल, साड़ी सब कुछ ले लेंगे लेकिन वोट कांग्रेस को ही देंगे।

पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की सुविधा उपलब्ध

रायपुर। इंडिया पोस्ट पेमेंटस् बैंक द्वारा पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सहयोग से 1 से 30 नवबंर तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक और फिंगरप्रिंट बायोमैट्रिक ऑथेंटिकेशन की सहायता से दूरदराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले सभी पेंशनभोगियों और वरिष्ठ नागरिक पेंशन भोगियों को उनके घर के नजदीक डिजीटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा प्रदान की जा रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकार की नौकरियों से रिटायर हुए कर्मचारियों को पेंशन निर्बाध रूप से मिलती रहे, इसके लिए प्रतिवर्ष नवंबर माह में पेंशनर को जीवन प्रमाण पत्र यानि लाइफ सर्टिफिकेट जमा कराना होता है। यह सेवा वृद्ध पेंशनभोगियों के लिए बहुत उपयोगी है क्योंकि उन्हें पेंशन वितरण एजेंसी के कार्यालय में भौतिक रूप से जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

उंगली पर लगी स्याही दिखाने पर शहर के होटल-रेस्टॉरेंट में मिलेगी 30% तक छूट

रायपुर। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रायपुर दक्षिण उप-चुनाव में वोट देने वाले मतदाताओं को प्रोत्साहित करने चुनाव आयोग की पहल पर आकर्षक डिस्काउंट ऑफर दिया जा रहा है। मतदान करने वालों को शहर के होटल-रेस्टॉरेंट में खाने-पीने और होटल बुकिंग में विशेष ऑफर दिया जाएगा। शहर की प्रतिष्ठित सुखसागर रेस्टॉरेंट, मंजू-ममता रेस्टॉरेंट, बेबीलॉन, मेय-फेयर और फेयर-वे होटल की ओर से मतदाताओं को विशेष छूट दे रही है। इस डिस्काउंट ऑफर का लाभ लेने मतदाता को अपने उंगली पर लगी स्याही दिखानी होगी। इसी क्रम में एमजी रोड स्थित सुखसागर और मंजू-ममता रेस्टॉरेंट में 13 नवंबर से 15 नवंबर तक मतदाताओं को बिल में 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। वहीं, नवा रायपुर स्थित होटल मेय-फेयर में 13 नवंबर से 19 नवंबर तक मतदाताओं को मेन्यू पर 30 प्रतिशत डिस्काउंट मिलेगा और तीन बुफे लेने पर एक बुफे फ्री मिलेगी। साथ ही नवा रायपुर स्थित होटल फेयर-वे में 13 नवंबर से 19 नवंबर तक मतदाताओं को मेन्यू पर 30 प्रतिशत डिस्काउंट और रूम बुकिंग में 25 प्रतिशत मिलेगा।

विश्वास का नाम है भाजपा, जबकि कांग्रेस विश्वासघात का नाम है: शिवरतन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के संयोजक शिवरतन शर्मा ने कहा है कि भाजपा विश्वास का नाम है जबकि कांग्रेस विश्वासघात का नाम है। भ्रष्टाचार और अपराध कांग्रेस रूपी सिक्के के दो पहलू हैं। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश में अपने पाँच साल और नगर निगम में 15 वर्षों के शासनकाल में केवल वादाखिलाफी करते जनता से किए गए अपने वादों से मुकरने का काम किया।

श्री शर्मा सोमवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज समेत कांग्रेस नेताओं से सवाल किया कि आखिर रायपुर दक्षिण की जनता कांग्रेस को वोट क्यों करें? कांग्रेस ने ऐसा कौन सा काम किया है, जिसके लिए रायपुर की जनता कांग्रेस का समर्थन करे? सन 2018 के

कांग्रेस के जनघोषणा पत्र की चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने गंगाजल हाथ में उठाकर प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की शपथ ली थी, लेकिन शराब घोटाला कर दिया। महादेव जुआ, कोयले की दलाली का प्रकरण प्रदेश के सामने है। किसानों को धमकाने-चमकाने के अनेक मामले सामने आए। श्री शर्मा ने कहा कि बीते 10 महीने के भाजपा शासनकाल में भी प्रदेश में कानून-व्यवस्था की समस्या और स्थिति को बिगाडने के लिए एक सुनियोजित षड्यंत्र कांग्रेस के नेताओं द्वारा किया जा रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण बलौदाबाजार की घटना है। उसके सूत्रधार कांग्रेस के विधायक देवेंद्र यादव थे। पिछले तीन महीने से वह जेल में है और उनकी जमानत नहीं हो पा रही है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने 5 साल में आखिर किया क्या है? स्मार्ट सिटी के नाम पर सैकड़ों करोड रुपए का जो भ्रष्टाचार हुआ है, उसकी भी पूरी जांच होगी और जो दोषी है उनको जेल भेजने की व्यवस्था भाजपा सरकार करेगी। भाजपा की केंद्र सरकार की योजना में रायपुर दक्षिण में 2665 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुए और बने। 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का पैसा मिल रहा है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के पाँच वादों, जिसमें लगभग 25 हजार करोड रुपए का खर्च आना था, हमने 5 महीने के अंदर पूरा करके दिखाया। 2 साल के बकाया बोनस देने की बात हो चाहे तेंदूपत्ता संग्रहण की राशि बढ़ाने की बात हो चाहे प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने की बात, हमने 4 महीने के अंदर यह सारे वादे पूरे किए और छत्तीसगढ़ के युवाओं के भविष्य के साथ जो कांग्रेस की सरकार खेल कर रही थी उस पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई से कराई जा रही है। प्रदेश के मंत्री और दक्षिण उपचुनाव के प्रभारी श्यामबिहारी जायवाल ने कहा कि भाजपा सरकार के 1 साल भी पूरे नहीं हुए हैं और इतने कम समय में हमने काम करके दिखाया है। हमारी सरकार की जो महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं और विकास के बलबूते हम इस चुनाव को जीतने जा रहे हैं। प्रदेश में पूरे खुशहाली का वातावरण आज है। घर-घर तक जो नल जल पानी पहुंचाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना है उसको हम पूरा करने वाले हैं। हजारों श्रद्धालु प्रतिमाह रामलला के दर्शन करने जा रहे हैं। इसी प्रकार नक्सलवाद के मोर्चे पर विगत 10 महीने में हमारी सरकार ने 200 नक्सलियों को मार गिराया 800 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया और 738 नक्सलियों को को गिरफ्तार करके जेल में डाला गया है। इस प्रकार से नक्सलवाद दम तोड़ रहा है।

राजधानी में कार से 27 लाख कैश जब्त

उपचुनाव चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को मिली बड़ी सफलता

रायपुर। रायपुर पुलिस को चेकिंग अभियान के दौरान फिर से एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने एक कार से 27 लाख से अधिक नगदी कैश जब्त किया है। दरअसल, रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन की टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना पुरानी बस्ती क्षेत्र के भाटागांव में बने एसएसटी (स्थैतिक निगरानी दल) पॉइंट पर वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी नकदी बरामद हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, आज एसएसटी टीम ने चेकिंग के दौरान कार (नंबर छ्त्त 08,क्र 8800) को रोका। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट राजकुमार सिंह परस्ते और गवाहों की उपस्थिति में कार की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार सवार के पास एक काले रंग का बैग मिला, जिसे जांचने पर उसमें 27 लाख 10 हजार रुपए की नकदी पाई गई।

एसएसटी टीम द्वारा जब उक्त व्यक्ति से नकदी से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, तो वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण इस नकदी को जब्त कर इनकम टैक्स विभाग को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है।

बता दें कि 9 नवंबर को भी पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक बाइक से 8 लाख नगदी जब्त किया है। यह मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का था।

दक्षिण विधानसभा उपचुनाव: पहचान पत्र के अलावा ये 12 दस्तावेज दिखाकर भी कर सकते हैं मतदान

रायपुर। रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए आगामी 13 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए वोटर फोटो पहचान पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर भी मतदान कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सभी मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं। आयोग सभी मतदाताओं से अपेक्षा करता है कि वे मतदान स्थल पर अपना मत देने से पहले अपनी पहचान सुनिश्चित करने के लिए आयोग की ओर से जारी निर्वाचक फोटो पहचान पत्र दिखाएंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना कंगाले ने कहा कि यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र नहीं दिखा पाता है, तो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके लिए 12 वैकल्पिक दस्तावेज भी अनुमत किए गए हैं। ऐसे निर्वाचक जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों यथा आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य बीमा स्कीम के तहत जारी स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, रजिस्टार जनरल ऑफ इंडिया द्वारा नेशनल पापुलेशन रजिस्टर के अंतर्गत जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किया गया फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों/ विधान परिषद सदस्यों को जारी किया गया सरकारी पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड दिखाकर मतदान कर सकते हैं।

रायपुर उपचुनाव : विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस लहरा चुकी है जीत का परचम

रायपुर। किसी भी विधानसभा उपचुनाव में सत्ता पक्ष के जीतने की उम्मीद ज्यादा होती है। ऐसा राजनीति के जानकार कहते हैं। उसके पीछे कई कारण होते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ की बात की जाए तो यह तर्क यहां फिट नहीं बैठता है। क्योंकि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से अब तक कई बार ऐसे मौके आए हैं कि जब सत्ता पक्ष को विधानसभा उपचुनाव में हार का सामना करना पड़ा है और विपक्ष में बैठी पार्टी ने उपचुनाव में जीत हासिल की है।

छत्तीसगढ़ में लंबे समय तक भाजपा सरकार रही और इस बीच हुए विधानसभा उपचुनाव में विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने दो बार जीत हासिल की। जो इस मिथक को तोड़ता है कि जिसकी सरकार होती है विधानसभा उपचुनाव वही जीतता है। यही कारण है कि इस बार रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव को लेकर अटकलें तेज हो गई है कि क्या इस बार भी कांग्रेस विपक्ष में रहते हुए जीत हासिल करेगी और अपने इतिहास को दोहराएगी, या फिर सत्ता पक्ष में बैठी भाजपा उसे मात देने में कामयाब रहेगी।

छत्तीसगढ़ की एक विधानसभा सीट रायपुर दक्षिण में 13 नवंबर को मतदान होना है। इस विधानसभा उपचुनाव में कांटे की टक्कर है। इस सीट से अब तक बृजमोहन अग्रवाल चुनाव लड़ते आ रहे थे और उन्होंने जीत का एक रिकॉर्ड कायम किया। उनके

चुनाव लड़ने के दौरान किसी और के जीत की संभावना शून्य होती थी। लेकिन अब बृजमोहन अग्रवाल लोकसभा चुनाव जीतने के बाद सांसद बन गए हैं। उनकी खाली हुई सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं।

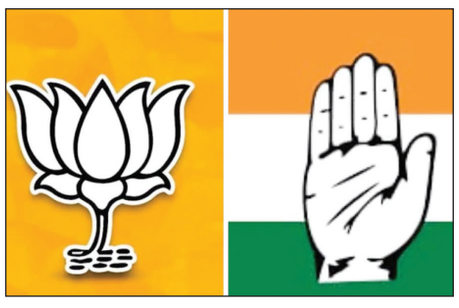

यहां से भाजपा ने पूर्व महापौर सुनील सोनी को उम्मीदवार बनाया है। यानी इस बार बृजमोहन अग्रवाल रायपुर दक्षिण विधानसभा के चुनाव मैदान से बाहर है। वहीं दूसरी और कांग्रेस में इस सीट से युवा नेता आकाश शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। आकाश शर्मा एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं। यही कारण है कि इस बार रायपुर दक्षिण के विधानसभा उपचुनाव में कांटे की टक्कर है।

आइये एक नजर डालते हैं छत्तीसगढ़ बनने के बाद से लेकर अब तक हुए विधानसभा उपचुनाव की क्या स्थिति रही, किसे जीत मिली, किसे हार का सामना करना पड़ा। सत्ता पक्ष मजबूत रहा है या फिर विपक्ष ने भी उपचुनाव में जीत का परचम लहराया है।

राजनीति के जानकार और वरिष्ठ पत्रकार उचित शर्मा बताते हैं कि राज्य बनने के बाद से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ में कुल 16 विधानसभा उपचुनाव हुए हैं। जिसमें से 8 भाजपा और 8 कांग्रेस ने विधानसभा उपचुनाव जीत है। इसमें से 14 विधानसभा उपचुनाव सत्ता पक्ष ने जीता है और दो विधानसभा उपचुनाव पर विपक्ष ने जीत हासिल की है। विपक्ष में रहते हुए जिस दल ने विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की है वह है कांग्रेस। यानी कि कांग्रेस विपक्ष में रहते हुए सत्ता दल को विधानसभा उपचुनाव में मात दे चुकी है और यही वजह है कि इस बार भी विपक्ष में बैठी कांग्रेस रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव में सत्ता दल को मात देने ताल ठोक रही है।

साल 2024 में 17वां विधानसभा उपचुनाव हुए। कांग्रेस का विपक्ष में रहते हुए उपचुनाव जीतने का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा है। इस बार भी कांग्रेस विपक्ष में है। रायपुर दक्षिण बीजेपी का गढ़ है लेकिन इस बार के उपचुनाव में स्थिति एकतरफा नजर नहीं आ रही है। सोशल इंजीनियरिंग आकाश शर्मा की तरफ इशारा कर रही है- उचित शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

उचित शर्मा बताते हैं कि विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने साल 2006 और 2009 में हुए विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की। साल 2006 में पूर्ववर्ती भाजपा की रमन सरकार के दौरान कोटा में उपचुनाव हुए। इस चुनाव में कांग्रेस की ओर से रेणु जोगी ने जीत हासिल की। विधानसभा के अध्यक्ष रहे पंडित राजेंद्र प्रसाद शुक्ल के निधन के बाद कोटा की सीट खाली हुई थी। वही दूसरा विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस ने साल 2009 में विपक्ष में रहते हुए जीता था। उस समय भी प्रदेश में रमन सिंह की सरकार थी। साल 2009 में वैशाली नगर विधानसभा सीट में हुए उपचुनाव में कांग्रेस के भजन सिंह निरंकारी को जीत मिली थी। यानी भाजपा की सरकार होते हुए भी दो बार विधानसभा उपचुनाव जीतने में कांग्रेस कामयाब रही।

ऐसा नहीं है कि कांग्रेस सिर्फ विपक्ष में रहकर ही उपचुनाव में जीत हासिल की है बल्कि सत्ता में रहते हुए भी कांग्रेस ने पांच उपचुनाव में जीत हासिल की है। उस दौरान विपक्ष में बैठी भाजपा एक भी विधानसभा उपचुनाव नहीं जीत सकी। पूर्ववर्ती भूपेश सरकार में कुल पांच विधानसभा चुनाव हुए थे। जिसमें दंतेवाड़ा, चित्रकोट, मरवाही, खैरागढ़ और भानुप्रतापपुर का उपचुनाव शामिल है।

कांग्रेस की भूपेश सरकार में पहला उपचुनाव दंतेवाड़ा में हुआ था, जहां से भाजपा विधायक भीमा मांडवी विधायक थे उनकी हत्या के बाद यहां पर उपचुनाव हुए। इसी तरह दीपक बैज के सांसद बनने के बाद खाली हुई चित्रकोट विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव हुआ था, इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन के बाद खाली हुई मरवाही विधानसभा सीट में भी उपचुनाव हुए। खैरागढ़ में देवव्रत सिंह के निधन के बाद विधानसभा उपचुनाव हुआ था। इन सभी पांचों विधानसभा चुनाव में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने जीत हासिल की।

छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद से लेकर अब तक कुल चार मुख्यमंत्री हुए। जिसमें प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी थे। जब अजीत जोगी को मुख्यमंत्री बनाया गया है, तो वह विधायक नहीं थे। उसे दौरान जोगी के लिए मरवाही से भाजपा के विधायक रामदयाल उइके ने अपनी सीट छोड़ दी थी, और इसके बाद से वे कांग्रेस में ही रहे। लेकिन साल 2018 के विधानसभा चुनाव के पहले वे वापस भाजपा में शामिल हो गए।

राज्य बनने के बाद साल 2003 में पहले विधानसभा उपचुनाव हुआ। इसमें भाजपा को बहुमत मिला। उस दौरान रमन सिंह को मुख्यमंत्री बनाने पर सहमति बनी, लेकिन उस समय रमन सिंह सांसद थे। इसके बाद उनके लिए प्रदीप गांधी ने डोंगरगांव की सीट छोड़ दी थी।

बहुसंख्य आबादी ने बताई अपनी पहली प्राथमिकता

पी. चिदंबरम

दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक में हुए चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप एक कद्दावर नेता के तौर पर चुने गए। उन्होंने निष्पक्ष और स्पष्ट जीत हासिल की। संयुक्त राज्य अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया की वैधता पर कोई भी सवाल नहीं उठा सकता। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप बहुमत से चुनाव जीते। उन्हें 295 सीटों पर जीत हासिल हुई, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को 226 सीटों पर विजय मिली। इस तरह देखा जाए तो वे एक लोकप्रिय नेता के तौर पर उभरे हैं। इस साल सीनेट के लिए हुए चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का ही वर्चस्व रहा है, जिससे हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव यानी कि प्रतिनिधि सभा में उनकी जीत की संभावना काफी बढ़ गई थी। डोनाल्ड ट्रंप की यह जीत हर मानक पर रिपब्लिकन पार्टी के लिए शानदार जीत है। चुनाव से पहले हुए सर्वेक्षण बिल्कुल गलत साबित हुए। यह कहा जा रहा था कि ट्रंप और कमला हैरिस के बीच नजदीकी मुकाबला है, लेकिन यह कहीं दिखा नहीं। तथाकथित सात 'स्विंग' राज्य के वोट ने नतीजे को ट्रंप के पक्ष में झुका दिया। बेहद कड़े मुकाबले वाले इस चुनाव में उम्मीदवारों के बीच अंतर काफी महत्वपूर्ण रहे। अधिकांश स्वतंत्र पर्यवेक्षकों और निष्पक्ष मीडिया का यह मानना था कि ट्रंप का चुनावी प्रचार और उनके भाषण महिला विरोधी, नस्लवादी, अपमानजनक और विभाजनकारी थे। लेकिन बहुसंख्यक अमेरिकी लोगों को इससे कोई मतलब नहीं था। उनकी चिंता आप्रवासन, मुद्रास्फीति और अपराध को लेकर थी। अगर मुद्रास्फीति को छोड़ दिया जाए तो अन्य दोनों ऐसे मुद्दे नहीं थे, जिन्हें 'ब्रेड एंड बटर' कहा जाए। आप्रवासन को उन आप्रवासियों के लिए अच्छा माना जा रहा है, जो नए आप्रवासियों को पसंद नहीं करते हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि ये गोरे अमेरिकी ईसाई नागरिकों को प्रभावित करते हैं। खासकर लातीनी मतदाताओं ने भी यह महसूस किया कि नए आप्रवासी पुराने आप्रवासियों के लिए खतरा थे। महंगाई तो हर देश के नागरिकों को परेशान करती है। हालांकि अमेरिका में मुद्रास्फीति 2.4 प्रतिशत तक सीमित थी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व घटती मुद्रास्फीति का संकेत देते हुए नीतिगत ब्याज दर को कम करने के लिए तैयार है। लेकिन चुनाव के दौरान मुद्रास्फीति रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक शक्तिशाली हथियार की तरह थी। दुनिया के अधिकांश देशों की तरह अमेरिका में भी बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और नशीली दवाएं अपराध का कारण रही हैं। बढ़ता अपराध सत्ता में बैठी किसी भी सरकार को असुरक्षित कर सकता है। मुझे आश्चर्य इस बात पर हुआ कि ट्रंप ने जिस तरह से इन मुद्दों का अपने अंदाज और असभ्य भाषा का उपयोग करते हुए भरपूर लाभ उठाया, उस पर मतदाताओं ने भी कोई आपत्ति नहीं जताई। दूसरी तरफ कमला हैरिस ने अपने चुनावी अभियान में जिन प्रमुख मुद्दों को उठाया, उन पर अधिकांश मतदाताओं की सहमति नहीं मिली। यह बेहद दुखद है कि जिन मूल्यों के प्रति ट्रंप के मन में बहुत कम सम्मान है, जैसे गर्भपात और महिलाओं के अधिकार, संविधान की पवित्रता, निष्पक्षता, नस्लीय समानता और करुणा आदि, इन मुद्दों को उठाने वाली कमला हैरिस लड़ाई हार गईं। अमेरिका के इस चुनाव में जो अन्य मुद्दे 'हार' गए, उनमें लगभग 44,000 फलस्तीनियों की नृशंस हत्या भी है, जिनमें हजारों महिलाएं, बच्चे और संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी शामिल हैं। रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए आक्रमण ने शायद ही इस चुनाव में कोई हलचल पैदा की हो। ज्यादातर अमेरिकियों ने चीन द्वारा ताइवान को धमकाने, उत्तर कोरिया द्वारा अमेरिका की धरती पर गिर सकने वाली लंबी दूरी की अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल छोड़ने, कई देशों में गृह युद्ध और तथाकथित लोकतांत्रिक देशों में स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने जैसे विषयों पर कोई आपत्ति नहीं जताई। न ही अधिकांश मतदाताओं ने इस पर कोई ध्यान दिया कि वे एक ऐसे दोषी व्यक्ति को चुन रहे हैं, जो सजा का इंतजार कर रहा है। अर्थव्यवस्था के मामले में मुक्त और खुले व्यापार, कम टैरिफ, एकाधिकार विरोधी जैसी नीतियों ने अमेरिका को दुनिया का सबसे अमीर देश बना दिया। अधिकांश मतदाताओं ने इन नीतियों की भी कोई परवाह नहीं की। आर्थिक जगत की बड़ी कंपनियां बिग फार्मा, बिग ऑयल और बिग टेक आज ट्रंप की जय-जयकार कर रही हैं। अंतत: अमेरिकी मतदाताओं ने अपने पूर्वाग्रहों के आधार पर ही मतदान किया। पुरुष मतदाताओं ने ट्रंप को पसंद किया। 18-29 साल आयु वर्ग के मतदाताओं ने ट्रंप को प्राथमिकता दी। यहां तक कि श्रमिक वर्ग, गैर-स्नातक और लातीनी मतदाताओं ने भी ट्रंप को प्राथमिकता दी। सच तो यह है कि उन्होंने कमला हैरिस के खिलाफ मुख्य रूप से उनके लिंग और रंग के कारण मतदान किया। अभी फिलहाल यह अटकलों का विषय है कि क्या अमेरिकी चुनाव के नतीजे अन्य देशों के चुनावों को प्रभावित करेंगे।

फिर 370 का राग क्यों अलापा जा रहा?

सुरेश हिंदुस्तानी

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है।

वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक क़ानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा। यह स्थिति डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वत: ही ख़ारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है। इसका एक आशय यह भी प्रादुर्भित होता है कि कांग्रेस संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस कौन से संविधान को बचाना चाहती है, यह और स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि बाबा साहब अम्बेडकर कभी भी जम्मू कश्मीर को अलग दरजा देने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने संविधान में इसको जोड़ने से इंकार कर दिया था। अम्बेडकर जी के मना करने के बाद शेख अब्दुल्ला, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास पहुंचे, जिन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर की भावना को दफ़न करते हुए शेख अब्दुल्ला को प्रसन्न करते हुए धारा 370 का समावेश संविधान में करा दिया। आज कांग्रेस भले ही इस बात का दम्भ भरे कि वह संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के कार्य ऐसे लगते नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की सरकार ने ही आपातकाल लगाकर भारत के नागरिकों के सारे अधिकार छीन लिए थे, जो बहुत बड़ा संविधान विरोधी कदम था। क्योंकि उस समय आपातकाल लगाने जैसी स्थिति नहीं थी। यह सारा खेल अपनी कुर्सी को बचाने के लिए किया गया था। आपातकाल संविधान की हत्या करने जैसा ही था।

पांच वर्ष पूर्व केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाली धारा 370 और 35ए को विलोपित कर दिया। उल्लेखनीय है कि भाजपा का यह कदम किसी भी प्रकार से किसी के विरोध में इसलिए नहीं कहा जा सकता, क्योंकि भाजपा के हर घोषणा पत्र में इस धारा को हटाने की बात की। इन्हीं वादों को पूरा करने के लिए भाजपा को समर्थन मिला। ज़ब जनता ने भाजपा के वादों को पूरा करने के लिए समर्थन दिया, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि भाजपा ने वही काम किया, जो जनता चाहती थी। अब जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान चलता है, राज्य का अपना कोई संविधान नहीं है। इतना ही नहीं जम्मू कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। इसलिए उसके संवैधानिक अधिकार सीमित हैं। इसलिए जम्मू कश्मीर की सरकार संविधान में बदलाव करने का कोई संवैधानिक हक नहीं रखती। यह केंद्र सरकार का काम है। राज्य कोई विधेयक पारित तो कर सकता है, लेकिन वह विधेयक तब तक लागू नहीं हो सकता, ज़ब तक केंद्र की सरकार न चाहे। इसलिए यह कहा जा सकता है कि राज्य की नवगठित सरकार का यह कदम केवल राजनीतिक लाभ के लिए है।

देश में कई विपक्षी राजनीतिक दलों ने एक साथ आकर इंडी गठबंधन बनाया है। यह गठबंधन बार बार संविधान बचाने की बात करता रहता है, लेकिन सवाल यह है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 को बहाल करने वाले विधेयक पर कोई भी बोलने को तैयार नहीं है। इसे मौन समर्थन भी माना जा सकता है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की ऐसी कौन सी राजनीतिक मजबूरी है जो धारा 370 और 35ए की बहाली के लिए उनको मजबूर कर रही है। क्या इन दलों को यह पता नहीं है कि इन्हीं कानूनों के कारण ही कश्मीर हिन्दू विहीन हो गया है। क्या यह दल फिर से कश्मीर घाटी को उसी स्थिति में ले जाना चाहते हैं। देश में एक समान क़ानून होना चाहिए, यह सभी चाहते हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में अगर धारा 370 बहाल हो जाती है तो निश्चित ही पाकिस्तान परस्त मानसिकता फिर से हाबी हो सकती है और जम्मू कश्मीर फिर से अलगाव की स्थिति में आ सकता है। ऐसी स्थिति न बने, इसलिए कश्मीर में भी देश का संविधान ही लागू रहे, यह समय की मांग है और यह कदम जम्मू कश्मीर के हित का भी है।

एकात्मता के स्वर — द्वारका

लीला पुरुषोत्तम भगवान् श्रीकृष्णजी ने अपने मामा मथुराधीश अत्याचारी कंस का वध कर दिया। तदुपरांत कंस की दोनों रानियाँ अस्ति और प्राप्ति अपने पिता मगधराज जरासन्ध के पास चलीं गयीं। बदला लेने की दृष्टि से उसने तेईस अक्षौहिणी सेना के साथ यदुवंशियों की राजधानी मथुरा को चारों ओर से घेर लिया। श्रीकृष्ण और बलराम जी ने अपने दिव्य रथों पर सवार होकर संपूर्ण सेना को मार डाला। जरासन्ध को योजना से नहीं मारा। इस प्रकार उस क्रूरकर्मी जरासन्ध ने तेईस-तेईस अक्षौहिणी सेना लेकर सत्रह बार आक्रमण किया और श्रीकृष्ण-बलराम हर बार उसे छोड पूरी सेना को मार देते।

अष्टादशसंग्रामें आगामिनि तदन्तरा।। जब अट्ठारवीं बार संग्राम छिडने ही वाला था तभी नारदजी का भेजा अजेय कालयवन तीन करोड म्लेच्छों की सेना लेकर आ गया और मथुरापुरी को घेर लिया। दो-दो शत्रुओं द्वारा एक ही समय आक्रमण को देख श्रीकृष्णजी बलराम जी ने परामर्श किया कि इस समय अपने स्वजन और सम्बन्धियों की सुरक्षा आवश्यक है। तभी भगवान् श्रीकृष्णजी ने समुद्र के भीतर एक ऐसा दुर्ग बनवाया जिसमें सभी वस्तुएँ अद्भुत थीं। उस नगर की लंबाई-चौडाई अडतालीस कोस की थी। उस नगर की एक-एक वस्तु में विश्वकर्मा का विज्ञान (वास्तुविज्ञान) और शिल्पकला की निपुणता प्रकट होती थी।

वास्तुशास्त्र के अनुसार बडी-बडी सडकों, चौराहों और गलियों का यथा स्थान ठीक-ठीक विभाजन किया गया था। वहाँ नगर ऐसे सुंदर-सुंदर उद्यानों और विचित्र-विचित्र उपवनों से युक्त थे, जिसमें देवताओं के वृक्ष और लताएँ लहराती रहती थीं। आकाश से बातें करने वाले सोने के शिखर थे।

स्फटिकमणि की अटारियाँ और ऊँचे दरवाजे बडे ही सुंदर लगते थे। अन्न रखने के लिये चाँदी और पीतल के बहुत से कोठे बने हुए थे। सोने के महलों पर गच पन्ने की बनी हुई थी। सबके बीच में यदुवंशियों के प्रधान उग्रसेन जी, वसुदेवजी, बलराम जी और भगवान् श्रीकृष्ण के महल जगमगा रहे थे। उसी समय देवराज इन्द्र ने पारिजात वृक्ष और सुधर्मा सभा को भेज दिया था। सुधर्मा ऐसी सभा थी कि उसमें बैठे मनुष्य को भूख-प्यास आदि मृत्युलोक के धर्म नहीं छू पाते थे।

वरुणजी ने बहुत से मनगामी श्यामकर्ण घोड़े मेज दिये। वहीं धनपति कुबेर ने नवों निधियाँ भेज दीं। पवित्र गोमती नदी वहाँ बहती है। महाभारत का युद्ध सम्पन्न होने के बाद शापवश सभी यदुवंशी आपस में लड़कर मर गये।

तब श्रीकृष्ण ने दारुक द्वारा हस्तिनापुर में अर्जुन को सारा संदेश पहुँचाया। आप स्वयं बलराम जी के देवलोक गमन के बाद परमधाम को चले गये। अर्जुन समस्त नर-नारियों को लेकर ज्यों ही सातवें दिन द्वारका से चले तो ही निर्यात तु जने तस्मिन सागरो मकरालय:। द्वारकां रत्नसम्पूर्णा जलेनाप्लावयत् तदा।। उस जनसमुदाय के निकलते ही मगरों और घड़ियालों के निवास स्थान समुद्र ने रत्नों से भरी-पूरी द्वारका नगरी को जल में डुबो दिया। द्वारकापुरी में भगवान् श्रीकृष्णजी दिव्य रूप से आज भी विराजते हैं। श्रीकृष्ण: शरणं मम।।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्याय:

गतांक से आगे...

जिससे ब्रह्मचर्यादि की असुविधा के कारण वेदाध्ययन में अधिकोर न रखने वाले भनुष्य भी वेदामृत का पान कर सकें। एक अर्ब प्रमाण वाले आदिमपुराण को संक्षिप्त करके चार लाख पद्यों में बांध डालना, और विषयविभाग के अनुसार उस समस्त मौलिक सामग्री को अठारह भागों में विभक्त करके लेखबद्ध करना यह वेदव्यास जी का ही काम था। पुराणों में लिखा है कि- (क) कालेन ग्रहणं दृष्ट्वा पुराणस्य ततो नृप। व्यासरूपमहं कृत्वा संहरामि युगे युगे।। चतुर्लक्षप्रमाणेन द्वापरे द्वापरे सदा । तथाष्टादशधा कृत्वा भूर्लोकेऽस्मिन्प्रकाश्यते ।। (मत्स्य 53 । 8 । 10)

(ख) इतिहासपुराणानां पिता मे रोमहर्षण: । (श्रीमद्भागवत 1।4।53)

(ग) त्रय्यारुणि: कश्यपश्च सावर्णिरकृतव्रण: । वैशंपायनहारीतौ षड् वै पौराणिका इमे।। अधीयन्त व्यासशिष्यात्सहितां मत्पितुर्मुखात् । (श्रीमद्भागत 12 । 67 । 5-6).

अर्थात् (क) काल के प्रभाव से उस एक अर्ब पाठ वाले पुराण का धारण करना कठिन समझ कर मैं विष्णु भगवान् व्यासरूप धारण करके उसका संक्षेप करता हूँ। प्रत्येक द्वापर में वह चार लाख प्रमाण में संक्षिप्त हो जाता है और अठारह भागों में बंट कर इस भूलोक में प्रकाशित: होता है (ख) [जिस प्रकार वेदासंहिताओं की रक्षा का भार पैल आदि शिष्यों पर निहित किया था इसी प्रकार इतिहास और पुराणों की रक्षा का भार सूत के पिता रोमहर्षणी पर रक्खा गया था।

(ग) आगे रोमहर्षण जी ने त्रय्यारुणि, कश्यप, सार्वाण, अकृतव्रण, वैशम्पायन और हारीत इन छ: शिष्यों को पुराण-संहिता पढ़ाई और उन्हें पौराणिक की उपाधि प्रदान की।

क्रमश: ...

देवउठनी एकादशी

ललित कुमार

सनातन धर्म में एकादशी की तिथियों का विशेष महत्व है। देवउठनी एकादशी इनमें से एक है। इसको प्रबोधिनी एकादशी और देवुत्थान एकादशी के नाम से भी जानते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन से विवाह, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य भी शुरू हो जाते हैं। यह तिथि कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पड़ती है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा और व्रत का विधान है।

मान्यता है कि, इस दिन सच्चे मन से उपासना करने वाले जातकों को जगत के पालनहार श्रीहरि का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही घर में सुख-समृद्धि का भी वास रहता है।

दृक पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक शुक्ल एकादशी तिथि की शुरूआत 11 नवंबर सोमवार को शाम 6 बजकर 46 मिनट से हो रही है। यह तिथि 12 नवंबर मंगलवार को शाम 4 बजकर 4 मिनट तक मान्य रहेगी। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर देवउठनी एकादशी का व्रत 12 नवंबर मंगलवार के दिन रखा जाएगा।

देवउठनी एकादशी के दिन व्रती भगवान विष्णु की पूजा सुबह 6:42 बजे से कर सकते हैं। 7:52 बजे से सर्वार्थ सिद्धि योग में पूजा करना और भी फलदायी होगा। देवउठनी एकादशी पर ब्रह्म मुहूर्त 04:56 एएम से 05:49 एएम तक है। वहीं, शुभ मुहूर्त या अभिजीत मुहूर्त 11:44 एएम से 12:27 पीएम तक है। वहीं, व्रत पारण सुबह 6 बजकर 42 मिनट से सुबह 8 बजकर 51 मिनट तक है।

देवउठनी एकादशी व्रत की पूजा विधि

देवउठनी एकादशी के दिन ब्रह्ममुहूर्त उठकर स्नान करके साफ कपड़े पहनें। फिर पूजाघर को गंगाजल छिड़ककर पवित्र कर लें। इसके बाद विष्णु भगवान का ध्यान करते हुए व्रत करने का संकल्प लें। इस दिन घर की ठीक से सफाई करें और आंगन में या फिर पूजाघर के बाहर भगवान के चरणों की आकृति बना लें। घर में ओखली पर गेरू से भगवान विष्णु का चित्र बना लें। इस चित्र पर मिठाई, फल, सिंघाड़े, गन्ना और आंवला अर्पित करें और भगवान विष्णु की पूजा करें। आरती करके पूजा संपन्न करें।

देवउठनी एकादशी का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यता है कि कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी से भगवान विष्णु चार महीने के योग निद्रा से जागते हैं। इसलिए इस दिन देवउठनी एकादशी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन से शुभ और मांगलिक कार्य शुरू होते हैं। इस शुभ तिथि पर साधक व्रत करते हैं और विधिपूर्वक भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही विशेष चीजों का दान करते हैं। मान्यता है कि इस एकादशी व्रत को करने से जातक को सभी तरह के पापों से छुटकारा मिलता है। साथ ही शुभ फल की प्राप्ति होती है।

कैसी होगी दूसरे कार्यकाल में ट्रम्प की विदेश नीति?

निरंजन मार्जनी

डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। लगभग सारे चुनावी सर्वेक्षण और अनुमानों को ग़लत साबित करते हुए ट्रम्प ने अपनी प्रतिद्वंदी और अमेरिका की वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की।

दुनिया की महासत्ता होने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का असर पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में अमेरिका की विदेश नीति का रूख भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे विश्व व्यवस्था भी प्रभावित होती है। ट्रम्प की विदेश नीति क्या रह सकती है यह समझना ज़रूरी है।

राष्ट्रपति का चुनाव जीतते ही ट्रम्प को अलग अलग देशों के नेताओं की तरफ से बधाई संदेश भेजे गए। ट्रम्प ने कुछ नेताओं से फ़ोन पर भी बात की। जिन नेताओं से ट्रम्प ने सबसे पहले बात की उनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान शामिल थे। इस बातचीत के मायने भी विदेश नीति की दृष्टि से देखते हैं।

मोदी के साथ बात करना भारत और अमेरिका के मज़बूत रिश्तों को दर्शाता है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंध मज़बूत हुए इसकी एक वजह थी मोदी और ट्रम्प की व्यक्तिगत मित्रता। दोनों नेता एक दुसरे को अपना दोस्त कहते हैं। हालांकि कूटनीति राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर की जाती है लेकिन ऐसी व्यक्तिगत मित्रता भी कई

बार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ट्रम्प के दुसरे कार्यकाल में भी भारत से अमेरिका के दृढ संबंधों की अपेक्षा है।

इसका मतलब है की भारत और अमेरिका के बीच सामरिक रिश्ते और आगे बढ़ सकते हैं। चीन की चुनौती का मुक़ाबला करने में भारत को अमेरिका का सहयोग मिल सकता है। पाकिस्तान के साथ अमेरिका के रिश्तों पर भी ट्रम्प पुनर्विचार कर सकते हैं। आतंकवाद के ख़िलाफ़ पहले भी ट्रम्प भारत का समर्थन और पाकिस्तान का विरोध कर चुके हैं। हाल ही में चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के ख़िलाफ़ हो रही हिंसा की खुलकर आलोचना की थी। इस्लामिक आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में ट्रम्प भारत के पक्ष में रहेंगे।

सुरक्षा के अलावा कूटनीति में भी विश्व स्तर पर भारत को संतुलन बनाए रखने की कवायद कम करनी पड़ सकती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत को रूस और पश्चिमी देशों से अपने रिश्ते सामान्य रखने के लिए काफ़ी प्रयास करने पड़ रहे हैं। रूस और रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति ट्रम्प का रूख बाइडेन प्रशासन जितना सख़्त नहीं है। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन युद्ध में दोनों पक्षों की सहमति से समाधान खोजने की बात कही थी।

साथ ही नेतन्याहू और मोहम्मद बिन सलमान से बात करना भी ट्रम्प की आगामी नीति के संकेत हैं। अमेरिका की विदेश नीति में इस्राएल को पारंपारिक रूप से दशकों से सैन्य और आर्थिक समर्थन मिलता आ रहा है। लेकिन जो बाइडेन के कार्यकाल में अमेरिका में इस्राएल-हमास युद्ध में हमास और फिलिस्तीन को भी इजरायल के ख़िलाफ़ काफ़ी समर्थन मिला है। लेकिन अब ट्रम्प के कार्यकाल में फिलिस्तीन और हमास पर अमेरिका का रूख कड़ा रह सकता है। उसी तरह सऊदी अरब से भी अमेरिका अपने करीबी रिश्तों को स्थिर रखना चाहेगा। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने पश्चिम एशिया में कोई भी युद्ध शुरू नहीं किया था। बल्कि अमेरिका की मध्यस्थता से चार अरब देशों के इस्राएल के साथ कूटनीतिक संबंध प्रस्थापित हुए थे।

अगर ट्रम्प रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास युद्ध को ख़त्म करते हैं तो यह उनकी विदेश नीति की एक बड़ी सफलता होगी। एक दिलचस्प बात यह है की राष्ट्रपति का चुनाव जीतते ही ट्रम्प ने जिन देशों के नेताओं से बात की, उनमें कोई भी यूरोपीय देशों के नेता नहीं थे। इससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है की ट्रम्प की यूरोप के प्रति नीति उनके पहले कार्यकाल जैसी ही होगी। 2016 से 2020 तक के अपने कार्यकाल में यूरोपीय देशों से ट्रम्प के रिश्ते बहुत अच्छे नहीं थे। यूरोपीय देशों ने अपनी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी खुद उठानी चाहिए और अमेरिका पर हर वक़्त निर्भर नहीं रहना चाहिए यह ट्रम्प की नीति रही है। साथ ही जो यूरोपीय देश नाटो के सदस्य हैं वे नाटो में पर्याप्त आर्थिक योगदान न देने की वजह से भी ट्रम्प यूरोपीय देशों से नाराज़ रहे हैं। अगर ट्रम्प यूरोप को समर्थन देना बंद करते हैं तो अपने आप यूक्रेन को मिलने वाली आर्थिक और सैन्य मदद में भी कमी आएगी जिससे रूस-यूक्रेन युद्ध के समाप्त होने के आसार बढ़ सकते हैं।

हालांकि यह जानना भी आवश्यक है की ट्रम्प एक ऐसे व्यक्ति हैं जो कूटनीति में व्यापारिक दृष्टिकोण रखते हैं। एक उद्योगपति होने के कारण ट्रम्प हमेशा लाभ और हानि के नज़रिये से ही विदेश नीति को देखेंगे। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रम्प इसी नीति के लिए जाने जाते थे। इसका असर दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्व एशिया और प्रशांत महासागर क्षेत्र पर पड़ सकता है। यूरोपीय देशों की तरह ट्रम्प दक्षिण कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया को भी सुरक्षा मामलों में आत्मनिर्भर होने के लिए कह सकते हैं। इससे इस क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो सकता है। ट्रम्प की जीत को अमेरिका में ही नहीं, पूरी दुनिया में एक उलटफेर के तौर पर देखा जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है की ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में विश्व व्यवस्था में भी काफ़ी बदलाव हो सकते हैं।

आज का इतिहास

1870 जर्मन कंपनी ड्रेस्डनर बैंक की स्थापना की गयी।
1892 विलियम हेफेलिंजर को एल्लेघेनी एथलेटिक समाज द्वारा .525 का भुगतान किया गया था, जो पहले पेशेवर अमेरिकी फुटबॉल खिलाड़ी थे।
1908 बुलगारिया ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
1918 प्रथम विश्व युद्ध में आस्ट्रिया-हंग्री साम्राज्य की पराजय और इन दोनों देशों के एक दूसरे से अलग हो जाने के पश्चात ऑस्ट्रिया में राजशाही शासन व्यवस्था का अंत हुआ तथा लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का काल आरंभ हुआ।
1927 महात्मा गांधी ने सिलोन की अपनी पहली और आखिरी यात्रा की।
1928 लगभग 111 लोग, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे, की मृत्यु हो गई, ब्रिटिश महासागर के लाइनर एसएस वेस्ट्रिस को पश्चिम अटलांटिक महासागर में डूबने के कारण छोड़ दिया गया था।
1936 सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में सैनफ्रांसिस्को और ओकलैंड, कैलिफोर्निया को जोड़ने वाला सैन फ्रांसिस्को-ओकलैंड बे ब्रिज ने टोट्रॉफिक खोला।
1940 सोवियत विदेश मंत्री व्याचेस्लाव मोलोटोव बर्लिन पहुंचे सोवियत संघ की धुरी शक्तियों में शामिल होने की संभावना को खारिज कर दिया।
1944 द्वितीय विश्व युद्ध-रॉयल एयर फोर्स ने नौवें प्रयास में जर्मन युद्धपोत तिरपिट्ज़ को डूबो दिया, जिसके परिणामस्वरूप नाविकों की लगभग 1,000 मौतें हुईं।
1945 सुदीरमन कोइंड्रोज सशस्त्र बलों का पहला कमांडर-इन-चीफ चुना गया।
1956 ज़ायोनी शासन के सैनिकों ने ग़ज़्ज़ा पट्टी के रफ़ह नगर में एक शरणर्थी शिविर पर आक्रमण करके फिलिस्तीनियों का जनसंहार किया।
1970 बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में आए चक्रवती तूफान भोला से मची तबाही में करीब पांच लाख लोग मारे गए।

भारत को कई अपेक्षाएं हैं डोनाल्ड ट्रम्प की सत्ता में वापसी से

जयसिंह रावत

एक शानदार जीत के बाद अब डोनाल्ड ट्रम्प आगामी 20 जनवरी 2025 को विश्व के सबसे शक्तिशाली देश संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे। अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश होने के कारण दुनिया का चौधरी भी है, इसलिए सारे विश्व की नए राष्ट्रपति से कुछ अपेक्षाएं भी होंगी तो रूस और चीन जैसे कुछ देशों को उनसे आशंकाएं भी होनी स्वाभाविक ही हैं।

पिछले ट्रम्प प्रशासन (2017-2021) के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन कुल मिलाकर इसे भारत का मिलाजुला अनुभव कहा जा सकता है। उस समय ट्रम्प प्रशासन के दौरान भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में कुछ अहम पहलुओं पर जोर दिया गया था।

भारत को भी इस शक्तिशाली देश के सर्वाधिक शक्तिशाली नेता से अवश्य ही कई अपेक्षाएं हैं। चूंकि डोनाल्ड ट्रम्प से हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तिगत सम्बन्ध भी हैं इसलिए अगले ट्रम्प प्रशासन से हमारी कुछ ज्यादा ही अपेक्षाएं होनी स्वाभाविक ही है।

पिछले ट्रम्प प्रशासन के दौरान भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में मजबूती आई थी। दोनों देशों ने विभिन्न रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए और सैन्य सहयोग बढ़ाया। ''कम्बाइंड मिलिटरी एक्सरसाइज'' और भारत को ''मेजर डिफेंस पार्टनर'' का दर्जा देने से रणनीतिक साझेदारी को प्रोत्साहन मिला। पिछले ट्रम्प प्रशासन (2017-2021) ने चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा था।

भारत और अमेरिका दोनों ही चीन के आक्रामक रवैए के खिलाफ मिलकर काम करने की ओर अग्रसर हुए। भारत-चीन सीमा विवाद के दौरान अमेरिका ने भारत के पक्ष में कई बयान दिए, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को एक रणनीतिक दिशा मिली थी। अत: भारत और अमेरिका के बीच चीन के प्रभाव को चुनौती देने के लिए साझा रणनीतियां बनाने की उम्मीद की जा सकती है।

ट्रम्प प्रशासन ने पहले भी भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख भागीदार के रूप में देखा था। अगला ट्रम्प प्रशासन खास कर सीमा विवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा मामलों में भारत के प्रयासों का समर्थन कर सकता है। अब भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग में और विस्तार की संभावना है, जिससे भारत को अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों और तकनीकी सहयोग का लाभ मिल सकता है। इससे भारत की सैन्य ताकत बढ़ने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी भी और मजबूत होगी।

पिछले ट्रम्प प्रशासन के दौरान व्यापार विवादों में वृद्धि हुई। अमेरिका ने भारत पर अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए दबाव डाला था। इसके अलावा ट्रम्प ने भारत की उच्च टैरिफ और ड्यूटी जैसे कुछ व्यापारिक निर्णयों को लेकर आलोचना की थी। हालांकि उस दौर में रक्षा उपकरणों की बिक्री जैसे कुछ महत्वपूर्ण समझौते भी हुए थे जो दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने में सहायक थे।

अगला ट्रम्प प्रशासन इन मुद्दों को फिर से उठा सकता है। हालांकि यदि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते मजबूत होते हैं, तो भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों में कुछ लचीलापन और बेहतर साझेदारी की उम्मीद हो सकती है। भारत को उम्मीद हो सकती है कि अगला ट्रम्प प्रशासन व्यापारिक फैसलों में ''अमेरिका फर्स्ट '' दृष्टिकोण अपनाएगा, लेकिन वह भारत से अपने व्यापार घाटे को घटाने के लिए भी दबाव बना सकता है।

इस बार भारत को अमेरिका से मित्रतापूर्ण बीजा नीति की भी अपेक्षा रहेगी। पिछली बार ट्रम्प प्रशासन की वीजा नीति, विशेष रूप से एच-1बी वीजा को लेकर भारतीय पेशेवरों के लिए अनुकूल नहीं थी। ट्रम्प के प्रशासन ने प्रवासी नीति को सख्त किया था जिससे भारतीय प्रवासियों और पेशेवरों, खासकर एच-1बी वीजा धारकों के लिए कुछ चुनौतियां उत्पन्न हुईं।

ट्रम्प की ''अमेरिका फर्स्ट'' नीति ने वीजा आवेदनों पर प्रतिबंध और अन्य नियमों में कड़ाई लाने का प्रयास किया था। अब भारत को उम्मीद हो सकती है कि ट्रम्प प्रशासन अपने 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण के तहत प्रवासी नीति को सख्त रखे लेकिन यदि कोई सुधार होता है तो भारतीय पेशेवरों को वीजा प्रक्रिया में राहत मिले।

भारतीयों के अमेरिका में योगदान को लेकर ट्रम्प प्रशासन की नीतियों में कुछ सकारात्मक संकेत भी हो सकते हैं, जैसे भारतीय समुदाय के लिए विशेष योजनाएं और सम्मान। ट्रम्प प्रशासन ने 2017 में पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर कर लिया था और यह निर्णय भारत सहित कई देशों के लिए चिंताजनक था। ट्रम्प के पुन: राष्ट्रपति बनने पर भारत को यह चिंता हो सकती है कि वह फिर से इस समझौते से बाहर हो सकता है, जिससे वैश्विक जलवायु प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा। हालांकि, भारत की अपेक्षा हो सकती है कि ट्रम्प प्रशासन जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अपनी रणनीति को पुन: प्राथमिकता दे, भले ही पेरिस समझौते में शामिल होने की संभावना कम हो।

पिछले ट्रम्प प्रशासन के दौरान, अमेरिका ने विकासशील देशों के लिए जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर वित्तीय सहायता कम करने की कोशिश की थी। भारत, एक विकासशील देश होने के नाते, अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारियों का संतुलन बनाए रखने का प्रयास कर रहा है।

ट्रम्प प्रशासन से भारत यह अपेक्षाएं कर सकता है कि वह विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के वित्तीय और तकनीकी समर्थन में सहायता प्रदान करेगा, खासकर हरित ऊर्जा और स्वच्छ प्रौद्योगिकी में निवेश को बढ़ावा देने के मामले में।

ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच व्यक्तिगत संबंधों को काफी महत्व दिया गया। मोदी-ट्रम्प की मुलाकातों को भारत में एक सकारात्मक कदम माना गया और उस समय ट्रम्प ने मोदी की सार्वजनिक रूप से सराहना भी की, खासकर ''हाउडी मोदी'' और ''नमस्ते ट्रम्प'' जैसे आयोजन हुए थे।

हालांकि उस दौरान ट्रम्प की प्रशासनिक शैली और कूटनीति में एक निश्चित अस्थिरता और अप्रत्याशितता थी, फिर भी भारत और अमेरिका के बीच सहयोग और संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। इसलिए भारत को उम्मीद हो सकती है कि ट्रम्प के अगले कार्यकाल में ये संबंध और मजबूत होंगे। दोनों नेताओं के बीच की दोस्ती भारत के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक लाभकारी हो सकती है, जो व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को प्रभावित कर सकती है।

भारत एशिया में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में ट्रम्प प्रशासन से अपनी वैश्विक भूमिका को और बढ़ाने की उम्मीद कर सकता है। विशेषकर भारतीय अर्थव्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्य और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर ट्रम्प प्रशासन से सहमति और समर्थन मिल सकता है।

चीन के स्टिंग ऑफ पर्ल्स की निकल जाएगी हवा

अभिनय आकाश

29 फरवरी ऐसी तारीख है जो चार सालों में एक बार आती है। यानी ये दिन खास रहता है। इसी दिन पीएम मोदी ने एक बटन दबाकर दुनियाभर को हैरान कर दिया और मालदीव व चीन के सपनों को चकनाचूड़ कर दिया। मादलीव और चीन ने भारत के खिलाफ जो प्लान बनाया था उसे पीएम मोदी ने एक बटन दबाकर डिलीट कर दिया। मॉरिशस के आगलेगा द्वीप को भारत का नया खुफिया सैन्य अड्डा भी कहा जा रहा है। 2015 में मॉरिशस ने भारत के साथ एक समझौता किया जिसके तहत 3,000 मीटर लंबी एक हवाई पट्टी और एक जेट्टी का निर्माण किया जाना था। यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ते सहयोग के तहत हुआ। 25 किलोमीटर लंबा अगलेगा द्वीप मॉरिशस का हिस्सा है। अगलेदा द्वीप की दूरी मॉरीशस से एक हजार किलोमीटर है। लेकिन मॉरिशस ने अपने अगलेगा द्वीप पर भारत को लाकर बैठा दिया। भारत अगलेगा द्वीप से नौसेना के पी8आई सर्विलांस एयरक्रॉफ्ट,ड्रोन, हेलीकॉप्टर और युद्धपोत ऑपरेट कर सकता है। पी8आई को बोईंग 737 को मॉडिफ़ाई करके बनाया गया है जो पनडुब्बियों पर नज़र रख सकता है और उनको निशाना बना सकता है। साथ ही यह समुद्री संचार की निगरानी कर सकता है। एक बड़े रणनीतिक बढ़त हासिल करते हुए भारत ने पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित अगलेगा द्वीप पर एक नई एयरस्ट्रिप और एक नई जेट्टी बनाई। भारत ने अगलेगा में 3 हजार मीटर लंबी एयरस्टिरप बनाई। जहां बड़े कमार्शियल विमानों के साथ साथ लड़ाकू विमान भी उतर सकते हैं। इसके अलावा भारत ने अगलेगा द्वीप से समुद्र के काफी अंदर तक जाने वाली जेट्टी भी बनाई है। आपको बता दें कि जेट्टी समुद्र तट पर बना वो स्थान है जहां जहाज आराम से लंगर डालकर खड़े हो सकते हैं और उनपर माल लादा और उतारा जा सकता है। भारत अगलेगा द्वीप पर अपने विमान को उतारने के साथ ही जंगी जहाजों को जेट्टी पर खड़ा भी कर सकता है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फ़ॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज़ ने इस ढांचे को सर्विलांस स्टेशन बताया है और कहा है कि यहां वैसा ही तटीय रडार सर्विलांस सिस्टम लगाया जाएगा, जैसा मॉरिशस में भारत निर्मित उपकरण लगाए गए हैं। भारतीय नौसेना के 50 से अधिक अधिकारी और कर्मी पहले से ही इस रणनीतिक द्वीप पर तैनात हैं और दोनों देश अगालेगा द्वीप पर जनशक्ति की संख्या को और बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अपनी समुद्री क्षमताओं को मजबूत करने के भारत के प्रयास अगालेगा से भी आगे तक फैले हुए हैं। डुक्म बंदरगाह, ओमान में एक समुद्री सहायता बेस की स्थापना और उत्तरी अगालेगा द्वीप समूह में एक हवाई सहायता सुविधा स्थापित करने की योजना के साथ, भारत का लक्ष्य हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मित्र देशों के लिए समुद्री डोमेन जागरूकता और विशेष रूप से क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति के आलोक में तटीय सुरक्षा को बढ़ाना है। अगलेगा द्वीप अफ्रीका के जिबूती से बेहद नजदीक है। आपको बता दें कि जिबूती में चीन का नौसेनिक अड्डा है। लेकिन अगलेगा पहुंचकर भारत चीन की छाती पर अपने जहाज खड़े कर सकता है। अगलेगा द्वीप के आसपास समुद्री डाकुओं का भी काफी आतंक रहता है। ये समुद्री डाकू दुनियाभर के देशों के जहाजों पर हमले करते हैं। चीन अफ्रीका के जिबूती से लेकर मालदीव तक भारत को घेरने के लिए स्टिंग ऑफ पर्ल्स बना रहा था। 1970 के दशक से ही भारत मॉरिशस के बीच क़रीबी रक्षा रिश्ते रहे हैं। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, इसके कोस्ट गार्ड चीफ़ और पुलिस हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन के प्रमुख-ये सभी भारतीय नागरिक हैं और क्रमश: भारतीय विदेशी इंटेलिजेंस एजेंसी, नेवी और वायुसेना के अधिकारी हैं। ये बात तो साफ है कि भारत और इसके पश्चिमी सहयोगी, हिंद महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में मॉरिशस में भारत के सीक्रेट मिलिट्री बेस होने को एक बड़े कमद के तौर पर देखा जा सकता है। हालांकि भारत सरकार की तरफ से आधिकारिक रूप से इस तरह की कोई भी बात स्वीकार नहीं की गई है।

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में कतरे जा सकते हैं कइयों के पर

राहिल नोरा चोपड़ा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हिमाचल प्रदेश में जिला और ब्लॉक इकाइयों के साथ-साथ पूरी प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पी.सी.सी.) इकाई को भंग कर दिया है। अब सरकार में बदलाव की अगली कतार लग गई है। सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जा सकता है। इकाई के पुनर्गठन के तहत पार्टी प्रमुख प्रतिभा सिंह के पर कतरे जा सकते हैं। कांग्रेस हाईकमान हिमाचल प्रदेश के प्रभारी राजीव शुक्ला को भी बदलने की तैयारी में है। यहां पार्टी संसदीय चुनाव में 4 में से एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। राज्य में राज्यसभा सीट जीतने के लिए पर्याप्त संख्या होने के बावजूद कांग्रेस जीत नहीं पाई और हार गई।

'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे को लेकर जुबानी जंग के बीच समाजवादी पार्टी ने एक नया नारा गढ़ा है, 'न बंटेंगे न कटेंगे, एक हैं और एक रहेंगे।' इसका जवाब देने के लिए लखनऊ में सपा मुख्यालय में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की एक साथ तस्वीरों वाले पोस्टर लगाए गए और पूर्व में यू.पी. के जातिगत मुद्दों पर ध्यान वापस लाने का प्रयास किया गया। सपा के होर्डिंग में आगे लिखा था, 'बंटेंगे तो गैस सिलैंडर 1200 में मिलेगा। एक होंगे तो 400 रुपए में मिलेगा।'

एक अन्य होर्डिंग में लिखा था, 'गंगा-जमुना तहजीब को न ही बंटने देंगे, न ही समाज की एकता को काटने देंगे।' इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली में अपना नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' दोहराने के बाद, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने गुरुवार को कहा कि राज्य के लोग इस तरह की टिप्पणियों की सराहना नहीं करते हैं। अजीत पवार ने कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज और महात्मा फुले का है। आप महाराष्ट्र की तुलना अन्य राज्यों से नहीं करें, महाराष्ट्र के लोगों को यह पसंद नहीं है।

प्रशांत किशोर द्वारा जनसभा की शुरुआत के साथ ही राज्य में एक और राजनीतिक पार्टी आप सब की आवाज (ए.एस.ए.) का उदय हो गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री राम चंद्र प्रसाद सिंह ने पिछले महीने अपनी नई पार्टी की घोषणा की थी, जब उन्होंने जद (यू) को छोड़ दिया। संयोग से 66

वर्षीय सिंह कुर्मी जाति से आते हैं, जो अन्य पिछड़ा वर्ग में आती है और पटेल को अपना आदर्श मानते हैं। नीतीश भी इसी जाति से हैं। बिहार की आबादी में कुर्मी करीब 3 प्रतिशत हैं, लेकिन आर्थिक रूप से संपन्न हैं। उन्हें जमींदारों में गिना जाता है, वे सामाजिक-राजनीतिक रूप से जागरूक हैं और उन्हें ऊपर की ओर बढने वाला माना जाता है। आर.सी.पी. सिंह, जिन्होंने बिहार के शराबबंदी कानून और बिगड़ती सार्वजनिक शिक्षा की आलोचना की और अपनी आवाज उठाई, अगले चुनाव में 243 विधानसभा सीटों में से 140 पर उम्मीदवार उतारने का लक्ष्य रखते हैं। आर.सी.पी. और प्रशांत दोनों ही एक समय में सी.एम. नीतीश कुमार के सबसे करीबी सहयोगी थे, लेकिन अब दोनों ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं।

एक आश्चर्य पैदा करते हुए, मराठा कोटा कार्यकर्त्ता मनोज जरांगे-पाटिल ने महाराष्ट्र विधानसभा के निर्णायक चुनावों से नाम वापस ले लिया, लेकिन उन्होंने कहा कि वह 20 नवंबर को होने वाले चुनावों में 10-15 उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। इस कदम से कांग्रेस, शरद पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. (श.प.) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यू.बी.टी.) सहित विपक्ष को लाभ मिलने की उम्मीद है क्योंकि इससे भाजपा विरोधी वोटों का विभाजन रुकेगा। हालांकि, जरांगे-पाटिल ने यह स्पष्ट किया कि मराठा आरक्षण की मांग से जुड़ा अभियान जारी रहेगा। दूसरी ओर, महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. के खराब प्रदर्शन के पीछे मराठा वोटों को एक प्रमुख कारक के रूप में देखा गया, जहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गुट ने प्रमुखता से बढ़त हासिल की।

राज्य की कुल आबादी में मराठा 30.33 प्रतिशत हैं। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के बीच मुकाबला द्विध्रुवीय माना जाता है। भाजपा वर्तमान में सत्तारूढ़ महायुति के बैनर तले अजीत पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन में है। शिवसेना (यू.बी.टी.), एन.सी.पी (शरद पवार) और कांग्रेस विपक्षी एम.वी.ए. गठबंधन का हिस्सा हैं।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को मतगणना होगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार की एन.सी.पी. से युक्त सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति के बीच लड़ाई शुरू हो गई है, जो सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। वहीं शिवसेना (यू.बी.टी.), एन.सी.पी. (श.प.) और कांग्रेस की विपक्षी एम.वी.ए. बहुमत हासिल करने और मौजूदा सरकार को गिराने की आकांक्षा रखती है। शिवसेना (यू.बी.टी.) के उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें पुरुष छात्रों के लिए मुफ्त शिक्षा, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने और धारावी पुर्नवकास परियोजना को खत्म करने का आश्वासन दिया गया है। ठाकरे ने कहा कि अगर एम.वी.ए. सत्ता में आती है, तो यह कोलीवाड़ा और गाथोन के कलस्टर विकास को खत्म कर देगी। दूसरी ओर राकांपा (श.प.) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं और विपक्षी एम.वी.ए. आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के बाद उन्हें यह विकल्प देने की दिशा में काम करेगी। पवार ने देश में जाति जनगणना की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मांग का भी समर्थन किया।

देश की बजाय वोट बैंक के विकास की राजनीति

राज कुमार सिंह

मुफ्त की रेवड़ियों की चुनावी राजनीति फिर चर्चा में है। इस पर प्रतिबंध के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल हुई है, तो महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त की रेवड़ियों की बारिश का मौसम है। चुनावी राज्यों में अक्सर 'त्यौहारी सेल' जैसा माहौल होता है, जहां ग्राहक को आर्ज़षित करने में दुकानदार कोई कसर नहीं छोड़ते। ग्राहकों को ऑफर का लाभ उठाने के लिए फिर भी अपनी जेब कुछ ढीली करनी पड़ती है, लेकिन राजनीति में तो करदाता की कमाई से राजनीतिक दल 'दानवीर' बन कर वोट बटोरते हैं। देश के विकास की कीमत पर अपने वोट बैंक का विकास करते हुए सत्ता कब्जाते हैं और हर कोई मूकदर्शक बना रहता है।

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का यह बेलगाम खेल तब चल रहा है, जब देश के दो बड़े दलों और नेताओं में ऐसी गारंटियों पर वाकयुद्ध चला। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो पांच गारंटियां दी थीं, उनमें महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की 'शक्ति' गारंटी भी है। पिछले दिनों कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का बयान आया कि कुछ महिलाओं ने टिकट ले कर यात्रा करने की इच्छा जताई है, इसलिए 'शक्ति' योजना पर पुनर्विचार संभव है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के बीच आए इस बयान पर शिवकुमार की पार्टी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नसीहत दी कि वे ही चुनावी वायदे किए जाने चाहिएं, जिन्हें पूरा करना संभव हो। निश्चय ही खरगे को आशंका रही कि शिवकुमार के बयान

से कांग्रेस द्वारा किए जाने वाले चुनावी वायदों की विश्वसनीयता पर असर पड़ सकता है।

कांग्रेस और भाजपा में जारी वाकयुद्ध के बीच भी भाजपानीत राजग और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ियों के वायदे करने में संकोच नहीं किया। पहले से भारी कर्ज में डूबे महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की इस होड़ का क्या असर पड़ेगा, इसकी ड्क्षचता किसी को नहीं। यही बात आदिवासी बहुल राज्य झारखंड की बाबत कही जा सकती है। चुनाव जीतने के लिए लोक लुभावन वायदों की राजनीतिक प्रवृत्ति तो पुरानी है, लेकिन मुफ्त की रेवड़ियां अब चुनाव जीतने का आसान कारगर नुस्खा बनती दिख रही हैं। देश भर में मोदी लहर के बावजूद दिल्ली में 'आप' की चुनावी सफलता में मुफ्त पानी-बिजली जैसे वायदों ने निर्णायक भूमिका निभाई। दिल्ली में चुनाव-दर-चुनाव सफलता से उत्साहित अरविंद केजरीवाल अपने चुनावी वायदों को 'गारंटी' बताने लगे, जिसका लाभ 'आप' को पंजाब में भी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता के रूप में मिला।

मुफ्त की रेवड़ियों या ऐसी गारंटियों के जरिए चुनाव जीतने के लिए अक्सर केजरीवाल को निशाना बनाया जाता है, लेकिन शायद ही कोई दल हो, जो इन चुनावी नुस्खों को न आजमाता हो। विपक्षी दल तो कोरोना काल में शुरू की गई 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' लगातार बढ़ाए जाने को भी इसी नजर से देखने लगे हैं। महाराष्ट्र में चुनाव की घोषणा से पहले एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक में लगभग 150 लोक लुभावन घोषणाओं को चुनावी 'लॉलीपॉप' के सिवाय और क्या कहा जाएगा? कर्नाटक ही नहीं, हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस द्वारा चुनाव जीतने के लिए दी गई गारंटियों पर अमल को ले कर जब-तब सवाल उठते रहते हैं, पर अन्य दलों द्वारा शासित राज्यों की कहानी भी अलग नहीं। वायदे सरकार बनते ही राज्य के कायाकल्प के किए जाते हैं, पर उनमें से ज्यादातर बड़े वायदे अंतिम समय तक लटके रहते हैं या फिर उन पर प्रतीकात्मक रूप से ही अमल किया जाता है। ऐसा इसलिए भी, क्योंकि हर मतदाता वर्ग को लुभाने के लिए वायदों की बारिश करते समय उनकी व्यवहार्यता और आर्थिक प्रभाव का आकलन ही नहीं किया जाता।

जाहिर है, इन योजनाओं का आर्थिक बोझ ईमानदार करदाताओं पर ही पड़ता है, जिनका प्रतिशत विदेशों की तुलना में हमारे देश में बहुत कम है। यह सवाल भी बार-बार उठता रहा है कि क्या उन करदाताओं से सहमति नहीं ली जानी चाहिए, जो देश के विकास के लिए कई तरह के कर देते हैं, न कि चुनावी 'रेवड़ियां' बांट कर सत्ता हासिल करने की राजनीति के लिए? बेशक नागरिकों को जीवन के लिए आवश्यक और न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध करवाना कल्याणकारी राज की जिम्मेदारी है। सीमित मात्रा में मुफ्त पानी और सस्ती बिजली जैसी सुविधाओं की सोच भी सकारात्मक है। पैट्रोल-डीजल और गैस सिलैंडर जैसी दैनिक उपभोग की चीजें भी आम आदमी की क्रय शक्ति के अंदर रखने की कोशिश की जानी चाहिए, लेकिन लैपटॉप, स्मार्टफोन, साइकिल, टी.वी., फ्रिज आदि मुफ्त बांटना तो मतदाताओं को रिश्वत देने जैसा है। फिर अब तो बात मासिक या सालाना नकद राशि दे कर 'लाड़' जताने तक पहुंच गई है। क्या यह 'लाड़' वोट का 'रिटर्न गिफ्ट' नहीं, जिसकी कीमत ईमानदार करदाता ही चुकाते हैं, जिनकी ड्क्षचताएं और जरूरतें अब चुनाव केंद्रित राजनीति में किसी के एजैंडा पर नहीं रह गई हैं?

कभी तमिलनाडु से शुरू हुआ मुफ्त की रेवड़ियों का चुनावी खेल अब पूरे देश में खुल कर खेला जा रहा है। चुनाव-दर-चुनाव मुफ्त की रेवड़ियों की प्रवृत्ति बढ़ रही है और सरकारी खजाने पर उसका बोझ भी, जिसका नकारात्मक असर विकास कार्यों पर साफ नजर आता है। राजनीतिक दलों में लोक लुभावन घोषणाओं की बढ़ती होड़ से साफ है कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से ले कर चुनाव आयोग तक की नसीहतें बेअसर रही हैं। अब आखिरी उम्मीद मतदाताओं पर ही टिकी है कि कभी तो वे मतदान तक सीमित कर दी गई अपनी भूमिका से आगे नागरिक के रूप में अपने वास्तविक अधिकारों और दायित्वों को समझेंगे, ताकि लोकतंत्र को सत्ता का खेल भर बनने से बचाया जा सके।

लोकतंत्र के लिए क्या है असहमति?

राजेश चौधरी

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ के दो साल का कार्यकाल 10 नवंबर को खत्म हो गया। उनके विदाई कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट बार असोसिएशन के प्रेसिडेंट कपिल सिब्बल ने एक अहम बात कही कि चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने अपने कार्यकाल में बेहद जटिल मुद्दों पर विचार किया और उन पर फैसले दिए। रिटायर होने से कुछ दिन पहले ही जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था कि वह इस बात को लेकर फिक्रमंद हैं कि उनके कार्यकाल को लोग किस तरह से याद करेंगे। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के जज और चीफ जस्टिस के तौर पर दिए गए उनके अहम फैसलों पर एक सरसरी नजर डालना अच्छा होगा। 25 जुलाई 2024 को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की अगुआई वाली 9 जजों की बेंच ने कहा कि संविधान के तहत राज्यों के पास यह विधायी अधिकार है कि वे खदानों (माइंस) और खनिज युक्त भूमि पर टैक्स लगा सकें। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा था कि अनुसूचित जाति और जनजाति के भीतर राज्य सरकार उपवर्ग बनाकर रिजर्वेशन का लाभ दे सकती है। सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने 6:1 के बहुमत से दिए फैसले में कहा था कि राज्यों के पास आरक्षण के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति में उप-वर्गीकरण करने की शक्तियां हैं। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की बेंच ने एक और अहम मामले में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा निरस्त करने के राष्ट्रपति के फैसले को वैध करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद-370 अस्थायी था। उनकी अगुआई में पांच जजों की संवैधानिक बेंच ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसले में राजनीतिक पार्टियों को दिए जाने वाले चंदे के लिए तय इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को खारिज कर दिया। इसे गैर-संवैधानिक करार देते हुए सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि वह राजनीतिक पार्टियों द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड को कैश कराए जाने से संबंधित तमाम ब्योरे सार्वजनिक करे। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संवैधानिक बेंच ने 24 अगस्त 2017 को आपातकाल के दौरान 1976 में 5 सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट की बेंच के उस फैसले को गलत बताया जिसमें कहा गया था कि आपातकाल के दौरान अनुच्छेद-21 (जीवन और व्यक्तिगत आजादी) को निलंबित किया जा सकता है। दिलचस्प है कि 1976 में पांच जजों की उस बेंच में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ भी शामिल थे। उस फैसले की समीक्षा करने वाली 9 जजों की बेंच में जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ भी थे। 28 सितंबर 2018 को जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था कि असहमति वाइब्रेंट डेमोक्रेसी की पहचान है। भीमा कोरेगांव वॉयलेंस केस में पांच ह्यूमैन राइट्स एक्टिविस्ट की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में उन्होंने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि असहमति लोकतंत्र का सेफ्टी वॉल्व है और अगर आप इसकी इजाजत नहीं देंगे तो प्रेशर वॉल्व फट जाएगा। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या मामले में फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 2.77 एकड़ की विवाद वाली जमीन पर ही राम मंदिर का निर्माण होगा। कोर्ट ने केंद्र को आदेश दिया था कि उस जगह मंदिर निर्माण के लिए तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और विवादित जमीन को इस ट्रस्ट को सौंपने की योजना भी तैयार करे। पांच जजों की संवैधानिक बेंच ने यह फैसला दिया था और इस बेंच का पार्ट जस्टिस चंद्रचूड़ भी रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 28 सितंबर 2018 को केरल के सबरीमला मंदिर में हर उम्र की महिलाओं के प्रवेश की इजाजत दी। जस्टिस चंद्रचूड़ के कार्यकाल में किए गए कई अहम प्रशासनिक फैसले भी गौर करने लायक हैं। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ रूढ़िवादी शब्दावली के इस्तेमाल को रोकने, अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग, न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटाने जैसे कई कदम उठाए। इतिहास जब उनके कार्यकाल को देखेगा तो निश्चित तौर पर उनके दूरगामी असर वाले फैसलों को याद करेगा क्योंकि तमाम जटिल और संवैधानिक मसले पर न केवल न्याय हुआ बल्कि न्याय होता हुआ दिखाई भी दिया।

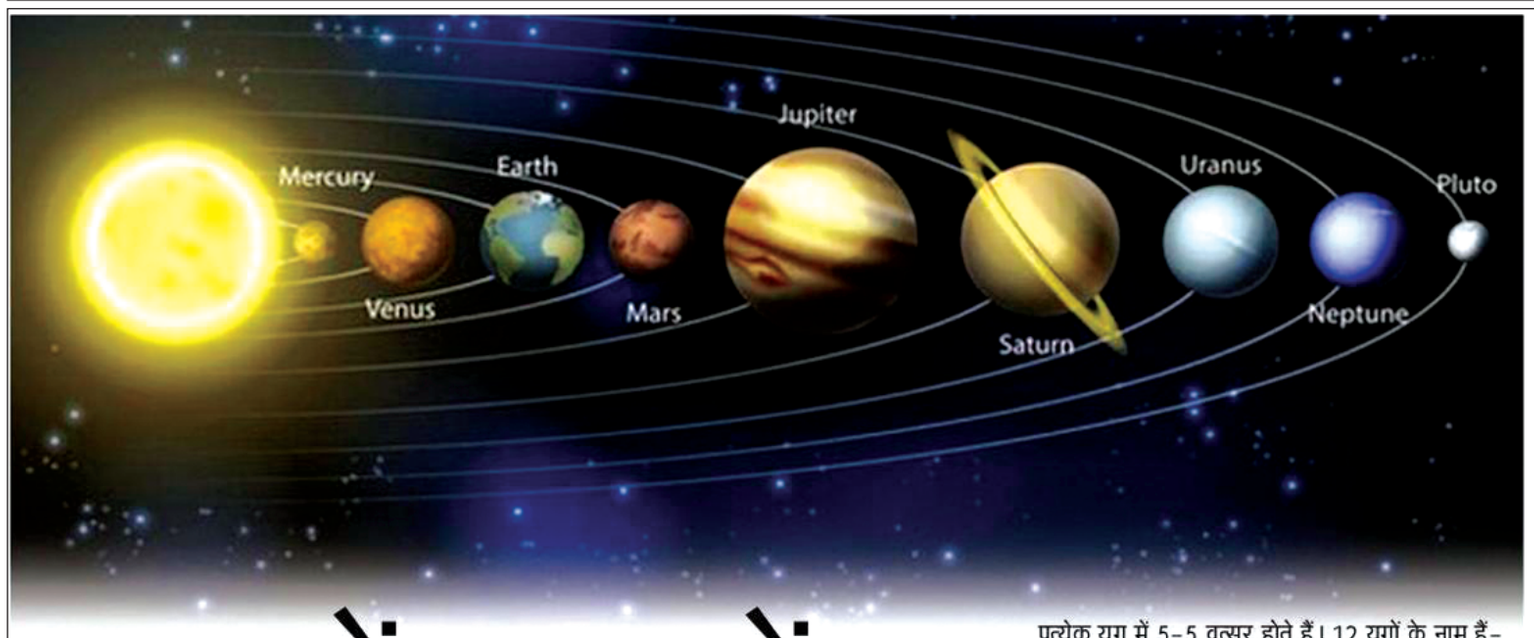

भ्रम में ना रहें कि कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतबल यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर। प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।

दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।

आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।

दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।

यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

सुनसान जगह पर क्यों नहीं रहना चाहिए?

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।

भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।

यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।

यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।

दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।

सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।

सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।

जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

ये 10 प्रकार के दरवाजे नहीं होना चाहिए

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो।

दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।

दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।

एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।

ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।

घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।

कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।

मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।

मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।

घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।

घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

द्वापर युग के महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।

द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।

परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।

इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।

इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।

इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

महाराष्ट्र में बागियों पर सख्त हुई कांग्रेस, 28 नेता निलंबित

नईदिल्ली। महाराष्ट्र कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी विरोधी गतिविधि के लिए 28 बागी उम्मीदवारों को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। 22 विधानसभा क्षेत्रों से निलंबित नेता 20 नवंबर के चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के मुताबिक यह फैसला एआईसीसी प्रभारी रमेश चेन्निथला के निर्देश पर लिया गया है। इससे पहले, चेन्निथला ने चेतावनी दी थी कि एमवीए के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ लड़ने वाले किसी भी विद्रोही को छह साल के निलंबन का सामना करना पड़ेगा। जिन उल्लेखनीय नेताओं को निलंबित किया गया उनमें रामटेक निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व मंत्री राजेंद्र मुलक, काटोल से याज्ञवल्क जिचकर, कसबा से कमल व्यवहारे, कोपरी पचपखड़ी से मनोज शिंदे और पार्वती से आबा बागुल शामिल हैं।

धर्म पर आधारित राजनीति लंबे समय तक नहीं चलती : मलिक

मुंबई। महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के एक हैं तो सेफ हैं और बटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर चुनावी मौसम में सियासत तेज है। भाजपा की सहयोगी अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने इन नारों की आलोचना की है। वहीं, एनसीपी नेता और मानखुर्द शिवाजी नगर से उम्मीदवार नवाब मलिक ने कहा कि बटेंगे तो कटेंगे जैसे बयान घृणित हैं। इससे कोई लाभ नहीं हो सकता। इस तरह की राजनीति से उत्तर प्रदेश में बहुत नुकसान हुआ है। मंदिर निर्माण के बाद भी बीजेपी उत्तर प्रदेश में बुरी तरह हार गई। नवाब मलिक ने आगे कहा कि इसलिए धर्म पर आधारित राजनीति लंबे समय तक नहीं चलती। हमें पूरा विश्वास है कि रोजी-रोटी, कपड़ा और मकान की समस्या पर राजनीति होनी चाहिए। जनता के विकास की बात होनी चाहिए। हम चाहते हैं कि कोई देश को हिंदू-मुस्लिम के नाम पर न बांटे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में जिस तरह से चुनाव हो रहे हैं, उसमें काफी करीबी मुकाबला है।

पीएम मोदी के आरोप पर सीएम सिद्धारमैया का चैलेंज

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने इस आरोप को साबित कर दें कि कांग्रेस ने अपने महाराष्ट्र चुनाव अभियान के लिए कर्नाटक में शराब की दुकानों से 700 करोड़ रुपये जुटाए हैं तो वह राजनीति छोड़ देंगे। दावों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज करते हुए सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री को चुनौती दी कि अगर आरोप झूठे साबित हुए तो वह राजनीति से इस्तीफा दे दें। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में शराब विक्रेताओं से 700 करोड़ रुपये लूटे हैं। महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा था कि जहां भी कांग्रेस सरकार बनाती है, वह राज्य कांग्रेस के शाही परिवार के लिए एटीएम बन जाता है। इन दिनों हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना उनके एटीएम बन गए हैं।

प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दी चुनौती

पटना। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने राज्य की स्थिति को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्र में भाजपा पर निशाना साधा और बदलाव का आह्वान किया। पत्रकारों से बात करते हुए, प्रशांत किशोर ने दावा किया कि आंकड़े बिहार को देश का सबसे गरीब, पिछड़ा और अशिक्षित राज्य बताते हैं और सीएम नीतीश को नीति आयोग की रिपोर्ट या आंकड़े जारी करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि बिहार और केंद्र में नीतीश कुमार, बीजेपी सत्ता में हैं। आज बिहार देश का सबसे गरीब, सबसे पिछड़ा, सबसे अशिक्षित, सबसे बेरोजगार राज्य है। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि अगर हम जो कह रहे हैं वह गलत है तो नीतीश कुमार को नीति आयोग के आंकड़े और रिपोर्ट जारी करनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऐसा सिर्फ प्रशांत किशोर नहीं कह रहा है, केंद्र और बिहार सरकार के आंकड़े कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के 18-19 साल और लालू यादव-नीतीश कुमार के 35 साल के शासन के बाद यह स्थिति है।

राहुल गांधी को पीएम मोदी के चुनौती पर बोले संजय राउत

मुंबई। प्रधानमंत्री मोदी ने सीधे तौर पर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्हें शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के योगदान को स्वीकार करने की चुनौती दी है। महाराष्ट्र में एक रैली में बोलते हुए, मोदी ने राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में ठाकरे की अद्वितीय भूमिका पर जोर दिया। मोदी ने टिप्पणी की कि महाराष्ट्र और देश के राजनीतिक परिदृश्य में बालासाहेब ठाकरे का योगदान बहुत बड़ा है। लेकिन कांग्रेस नेताओं की ओर से उनकी प्रशंसा में एक भी शब्द नहीं आया। अब इसी पर शिवसेना (यूबीटी) की ओर से जवाब आया है। संजय राउत ने कहा कि आपने एक बार उनकी बहुत तारीफ की थी। लेकिन एचएम अमित शाह और पीएम नरेंद्र मोदी ने बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को धोखा दिया। उसके बारे में हमें बताएं। आपने बाला साहेब ठाकरे की शिव सेना को बेच दिया। पहले, आपने इसे खरीदा और फिर आपने इसे एकनाथ शिंदे को बेच दिया। आपको बालासाहेब ठाकरे का नाम लेने का कोई अधिकार नहीं है।

समाज को बांटने की कोशिश एक गंभीर मुद्दा : प्रधानमंत्री मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष की जाति-आधारित राजनीति के खिलाफ देश को आगाह करते हुए कहा कि समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है और यह एक गंभीर मुद्दा है। प्रधानमंत्री की चेतावनी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष द्वारा चल रही जाति की राजनीति के बीच आई है, जिन्होंने केंद्र को घेरने की कोशिश में सरकार से जाति जनगणना कराने की मांग की है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए श्री स्वामीनारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ समारोह में कहा कि भगवान श्री स्वामीनारायण की कृपा से वडताल धाम में द्विशताब्दी समारोह का भव्य आयोजन चल रहा है।

मोदी ने कहा कि देश-विदेश से सभी हरि भक्त आए हुए हैं और श्री स्वामीनारायण की तो परंपरा रही है, सेवा के बिना उनका कोई काम नहीं होता है, आज लोग बढ़-चढ़ कर सेवाकार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि द्विशताब्दी समारोह केवल एक आयोजन या इतिहास की तारीख नहीं है। ये मेरे जैसे हर व्यक्ति के लिए, जो वड़ताल धाम में अनन्य आस्था के साथ बड़ा हुआ है, उसके लिए बहुत बड़ा अवसर है। मैं मानता हूं, हमारे लिए ये अवसर भारतीय संस्कृति के शाश्वत प्रवाह का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि 200 साल पहले जिस वडताल धाम की स्थापना भगवान भगवान श्री स्वामीनारायण ने की थी हमने आज भी उसकी अध्यात्मिक चेतना को जागृत रखा है। हम आज भी यहां भगवान श्री स्वामीनारायण की शिक्षाओं को, उनकी ऊर्जा को अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारे युवाओं के सामने एक बहुत बड़ा उद्देश्य उभर कर आया है। पूरा देश एक निश्चित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है, ये लक्ष्य है- विकसित भारत का।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि वडताल के और समस्त स्वामीनारायण परिवार के संत महात्माओं से मेरा आग्रह है कि विकसित भारत के महान उद्देश्य से जन-जन को जोड़ें। जैसे आजादी के आंदोलन में एक शताब्दी तक समाज के भिन्न-भिन्न कोने से आजादी की ललक, आजादी की चिंगारी देशवासियों को प्रेरित कर रही थी। एक भी दिन, एक भी पल ऐसा नहीं गया जब लोगों आजादी के इरादों को, संकल्पों को छोड़ा। जैसी ललक आजादी के आंदोलन में थी वैसी ही ललक, वैसी ही चेतना विकिसत भारत के लिए 140 करोड़ देशवासियों में हर पल होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवा, राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं और करेंगे, इसके लिए हमें सशक्त और शिक्षित युवाओं का निर्माण करना होगा। विकसित भारत के लिए हमारे युवा सशक्त होने चाहिए। स्किल्ड युवा हमारी सबसे बड़ी ताकत बनेंगे।

झारखंड को हमें भ्रष्टाचार, माफियावाद और कुशासन से मुक्त कराना है

मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से झारखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीधा संवाद किया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि चुनाव कोई भी हो, उम्मीदवार कोई भी हो, लेकिन हम इसे भलिभांति जानते हैं कि चुनाव असल में तो आप जैसे लाखों कार्यकर्ता ही लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी तो पार्टी ही संगठन पर आधारित है, इसलिए हमारे चुनाव लड़ने का तरीका ही संगठन व कार्यकर्ता आधारित ही होता है।

मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं, आपकी मेहनत ने विपक्षी दल जेएमएम, कांग्रेस, आरजेडी की नींद उड़ा दी है। झारखंड को हमें इनके भ्रष्टाचार, माफियावाद, कुशासन से मुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि झारखंड वन व खनिज संपदा से भरपूर क्षेत्र है। कभी-कभी तो मैं कहता हूं कि झारखंड समृद्ध राज्य है, लेकिन झारखंड के लोगों को गरीब रखा गया है। समृद्धि होने के बावजूद भी यहां विकास का आभाव और बेरोजगारी चरम पर है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार व झारखंड की अमूल्य प्राकृतिक संपदा की बेतहाशा लूट है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आप जानते हैं कि सबका साथ-सबका विकास के मंत्र में झारखंड का विकास मेरी प्राथमिकता है। हम विकास की कोशिश कर रहे हैं, राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद भी हम बहुत कुछ करने का प्रयास करते हैं। लेकिन अब मुझे खास लगता है कि जिस गति से मैं विकास चाहता हूं, जिस गति से मैं झारखंड को आगे ले जाना चाहता हूं, वहां डबल इंजन सरकार की बहुत जरूरत है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि झारखंड इस बार बदलाव करने को संकल्पित हो गया है, इसका सबसे बड़ा कारण तो ये भी है कि जेएमएम, कांग्रेस व आरजेडी ने झारखंड की रोटी, बेटी और माटी पर वार किया है। पिछले पांच साल इन्होंने बड़ी-बड़ी बातें कीं, लेकिन आज झारखंड के लोग देख रहे हैं कि इनके ज्यादातर वादे झूठे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां-जहां सत्ता में है, वहां के लोगों को ऐसे ही ठगा है। आपने तो सुना ही होगा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे तो खुद कहते हैं कि इनकी पार्टी ने झूठी गारंटियां दी है। उन्होंने कहा, जितना कर सकते हैं, उतनी ही गारंटी दो।

झारखंड में भाजपा की सरकार बना दो, हम घुसपैठ को रोक देंगे: शाह

रांची। झारखंड के सरायकेला विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंपई सोरेन जी इतने वर्षों तक वफादारी के साथ गुरु जी के साथ रहे, हेमंत जी के साथ रहे, लेकिन जिस तरीके से अपमानित करके चंपई जी को निकाला गया, वह सिर्फ चंपई सोरेन जी का अपमान नहीं है, पूरे आदिवासी समाज का अपमान है। सरायकेला से भाजपा ने पूर्व सीएम चंपई सोरेन को टीकट दिया है। उन्होंने कहा कि मुद्दा सिर्फ इतना था कि चंपई सोरेन जी ने कहा, ये भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए, वो (जेएमएम) भ्रष्टाचार बंद करने को तैयार नहीं थे।

जेएमएम-कांग्रेस-आरजेडी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि इन्होंने एक हजार करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला किया, 300 करोड़ रुपये का जमीन घोटाला किया, सेना की जमीन भी हड़प ली, एक हजार करोड़ रुपये का खनन घोटाला किया और हजारों ?करोड़ रुपये का शराब घोटाला किया। ये घोटाले करने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि एक ओर ये इंडी अलायंस खुद को अपने कार्यकर्ताओं को करोड़पति बनाने के लिए काम करती है, तो वहीं मोदी जी हमारी बहनों को %लखपति दीदी% बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि अभी-अभी कांग्रेस ने महाराष्ट्र में वादा किया है कि हम मुसलमानों को आरक्षण देंगे। अगर वो मुसलमानों को आरक्षण देंगे, तो आदिवासी, दलित व पिछड़ा वर्ग का आरक्षण काट कर देना पड़ेगा। लेकिन आप चिंता मत करो, आदिवासी, दलित व पिछड़ों के आरक्षण को हम हाथ नहीं लगाने देंगे। उन्होंने कहा कि आज पूरा झारखंड और विशेषकर आदिवासी क्षेत्र घुसपैठ से परेशान है। हमारे चंपई सोरेन ने जब घुसपैठ का मुद्दा उठाया, तो हेमंत बाबू ने कहा, आप सीएम पद छोड़ दो। शाह ने कहा कि आदिवासियों की आबादी कम होती जा रही है, हमारी बच्चियों से शादी रचाकर जमीन हड़पने का कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मैं आपसे वादा करता हूं, भाजपा की सरकार बना दो, हम घुसपैठ को रोक देंगे। हम कानून लाएंगे कि अगर घुसपैठिए आदिवासी बच्ची से शादी करेंगे, तो भी उनकी जमीन घुसपैठियों के नाम नहीं होगी, साथ ही ली गई जमीन को वापस दिलाएंगे।

वायनाड पहुंचे राहुल, बहन प्रियंका के साथ किया रोड शो

तिरुवनंतपुरम। वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के सुल्तान बाथरी में रोड शो किया। लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इस दौरान अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि जब मैं पहली बार भारत जोड़ो यात्रा पर गया तो मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ क्योंकि यह एक राजनीतिक पदयात्रा थी। पदयात्रा का उद्देश्य राजनीतिक था। लेकिन यात्रा की शुरुआत में ही मैंने देखा कि मैं लोगों को गले लगा रहा था और लोग मुझे चूम रहे थे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं कह रहा था, मैं आपसे प्यार करता हूँ। वे कह रहे थे, हम आपसे प्यार करते हैं। आज जब मैं विमान में था तो मुझे एहसास हुआ कि कई सालों से मैंने

राजनीति में प्रेम शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। वायनाड आने के बाद अचानक मैंने राजनीति में प्यार शब्द का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे एहसास हुआ कि वायनाड के लोगों ने मुझे इतना प्यार और स्नेह दिया कि मेरी पूरी राजनीति बदल गई। वायनाड के लोगों ने मुझे सिखाया कि राजनीति में शब्द का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए मैं यह टी-शर्ट पहन रहा हूं।

राहुल ने कहा कि वायनाड आना हमेशा सुखद होता है। मेरी बहन का भाषण स्नेहपूर्ण था, कोई सामान्य राजनीतिक अभियान नहीं। मैं यहां एक प्रचारक के रूप में हूं, उम्मीदवार के रूप में नहीं, और मैं आपका अनौपचारिक सांसद बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। जब भी मैं यहां होता हूं, मुझे सचमुच खुशी महसूस होती है। वहीं, प्रियंका गांधी ने कहा कि आपने अपने घरों और दिलों में मेरा स्वागत किया है। मैं आपका हृदय से आभारी हूं। यदि आप मुझे चुनते हैं तो संसद में आपका प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात होगी। मैं प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ आपके लिए कड़ी मेहनत करूंगा।

खेल
प्रमुख समाचार

विराट को लेकर पोंटिंग के बयान पर भड़के कोच गंभीर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली की फॉर्म को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के बयान की आलोचना की है। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गंभीर ने सीनियर बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा का समर्थन किया है। पोंटिंग ने हाल ही में कोहली के फॉर्म पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि कोहली के अलावा अगर किसी अन्य खिलाड़ी ने पांच साल में दो शतक बनाए होते तो वह टीम में नहीं होता। अब गंभीर ने पोंटिंग पर निशाना साधा है। गंभीर से जब पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस में सीनियर खिलाड़ियों की खराब फॉर्म के बारे में पूछा गया तो मुख्य कोच ने कहा कि पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कोहली और रोहित में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की भूख है। उन्होंने कहा, %पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? मुझे लगता है कि उन्हें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में सोचना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें विराट और रोहित के लिए उन्हें किसी भी तरह की चिंता नहीं है। गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि रोहित और विराट बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए काफी कुछ हासिल किया है और भविष्य में भी हासिल करते रहेंगे। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे अभी भी वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं और वे अभी भी भारतीय क्रिकेट को लेकर भावुक हैं, वे अभी भी बहुत कुछ हासिल करना चाहते हैं और यह कुछ ऐसा है जो बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय ड्रेसिंग रूम में रन, विकेट या जीत के लिए भूख मेरे लिए महत्वपूर्ण है और यही चीज ड्रेसिंग रूम में मौजूद बाकी लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि भारतीय टीम में बहुत भूख है और खासकर पिछली सीरीज में जो हुआ उसके बाद तो हमारे खिलाड़ी अच्छा करना चाहते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

भारी उतार-चढ़ाव के बीच फ्लैट बंद हुआ बाजार

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रूखे के बीच भारतीय शेयर बाजार सोमवार को मामूली बढ़त के साथ लगभग सपाट क्लोज हुए। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और फाइनेंशियल शेयरों में तेजी ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचा लिया। कंपनियों के दूसरी तिमाही के कमजोर नतीजे और विदेशी निवेशकों की लगातार जारी बिकवाली से निवेशकों में अभी भी चिंता बनी हुई है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज गिरावट के साथ 79,298.46 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 80 हजार के पार तक चला गया था। हालांकि, अंत में सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत या 9.84 अंक की मामूली बढ़त लेकर 79,496.16 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.03 प्रतिशत या 6.90 अंक की गिरावट लेकर 24,141.30 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी की 30 कंपनियों के शेयर गिरावट में बंद हुए।

आंध्र सरकार ने पेश किया 2.94 लाख करोड़ का बजट

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का बजट पेश किया है। सरकार ने 2.94 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है, जिसमें स्कूली शिक्षा के लिए 29,909 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वहीं स्वास्थ्य सेवा और परिवार कल्याण के लिए 18,421 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बजट में डिप्टी सीएम पवन कल्याण के विभाग पंचायत राज और ग्रामीण विकास के लिए 16,739 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री पयावुला केशव ने अपना पहला बजट पेश किया। वित्त मंत्री के बजट भाषण के अनुसार, आंध्र प्रदेश सरकार का राजस्व व्यय 2.35 लाख करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 32 हजार करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। राज्य का राजस्व घाटा करीब 34,743 करोड़ रुपये है, जो राज्य की कुल अर्थव्यवस्था का 2.12 प्रतिशत है।

दिल्ली-मुंबई में प्याज के दामों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली। देशभर में बढ़ती महंगाई के बीच अब प्याज के दामों ने जबरदस्त उछाल लगाई है। कई शहरों में प्याज के दाम अचानक ही थोक बाजार में 70 से 80 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। जिन शहरों में यह बढ़ोतरी देखने को मिली है, उनमें राजधानी दिल्ली और देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी शामिल हैं। चौंकाने वाली बात हाल ही में थोक बाजार में प्याज की कीमत 40-60 रुपये प्रति किलो तक थी। हालांकि, इस बढ़ोतरी ने उपभोक्ताओं के आंसू निकालने जरूर शुरू कर दिए हैं। दिल्ली के बाजार में एक सब्जी विक्रेता ने बताया- प्याज के दाम 60 से 70 रुपये किलो पहुंच गए हैं। हम इसे मंडी से लेते हैं, इसलिए हमें जिस भी कीमत पर प्याज मिलते हैं, वही यहां हमारी तरफ से प्याज बेचने के दाम पर असर डालता है। दामों के बढ़ने की वजह से प्याज की बिकवाली में भी कमी आई है, लेकिन लोग इसे फिर भी कुछ हद तक खरीद रहे हैं, क्योंकि यह यहां खाने का अहम हिस्सा है।

मारुति सुजुकी डिजायर की बाजार में एंट्री

नईदिल्ली। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी, मारुति सुजुकी इंडिया ने आज यानी 11 नवंबर 2024 को अपनी नई जनरेशन डिजायर लॉन्च किया। मारुति की इस पैसा वसूल सेडान का इंतजार ग्राहक काफी लंबे समय से कर रहे थे। नई डिजायर न केवल पहले से अधिक फीचर्स से लैस है बल्कि अपने सेगमेंट में सबसे सुरक्षित कॉम्पैक्ट सेडान भी बन गई है। मारुति की नई डिजायर को GNCAP क्रैश टेस्ट में पांच स्टार रेटिंग मिली हैं। नई डिजायर नए लुक्स के साथ ही साथ बेहतरीन फीचर्स से भी लैस है। फीचर्स की बात करें तो, डिजायर का टॉप-ऑफ-द-लाइन वेरिएंट एक बड़े इंफोटेनमेंट स्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, वायरलेस चार्जर, 360-डिग्री सराउंड कैमरा, और इलेक्ट्रिक सनरूफ के साथ आ सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की बाजार हिस्सेदारी अपने एशियाई समकक्षों से काफी पीछे

एलेक्जेंड्रा हरमन

अमरीका और चीन के बीच व्यापार तनाव कोई नई बात नहीं, यह कई वर्षों से बढ़ रहा है, खासकर तब से, जब 2018-2019 में द्विपक्षीय टैरिफ की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू की गई थी। टैरिफ द्वारा लक्षित क्षेत्र उन वस्तुओं के साथ बहुत अधिक ओवरलैप करते हैं, जिन्हें भारत द्वारा भी निर्यात किया जाता है। इसलिए, एक स्वस्थ व्यापार की उम्मीदें बढ़ रही हैं। लेकिन अब तक ये उम्मीदें निराशाजनक ही रही हैं। एक दशक से अधिक समय से तथा सभी राजनीतिक प्रयासों के बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान मोटे तौर पर 17 प्रतिशत पर स्थिर बना हुआ है, जबकि 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत इसे 2025 तक 25 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

अमरीका द्वारा चीन से दूर रहने से भारत के एशियाई समकक्षों को काफी हद तक लाभ हुआ है। वियतनाम सबसे आगे है, उसके बाद ताइवान और दक्षिण कोरिया हैं, जबकि भारत चौथे स्थान पर है। हालांकि 2017 और 2023 के बीच अमरीकी आयात में भारत की कुल हिस्सेदारी 0.6 प्रतिशत अंक (पी.पी.टी.एस.) बढ़कर 2.7 प्रतिशत हो गई, लेकिन चीन द्वारा छोड़ा गया अंतर बहुत बड़ा था। अमरीकी आयात में इसकी हिस्सेदारी लगभग 8 प्रतिशत कम हो गई, पी.पी.टी.एस. 14 प्रतिशत से कुछ कम है।

भारत ने 'पुरानी' अर्थव्यवस्था के कमोडिटी और जी उत्पाद क्षेत्रों में सबसे अधिक अमरीकी बाजार में हिस्सेदारी हासिल की है। विशेष रूप से, भारत का लाभ मुख्य तौर पर छोटे आयात बाजारों, जैसे कपड़ा, चमड़ा और परिधान (2023 में हमारे अमरीकी आयात का लगभग 5 प्रतिशत),

ईंधन और मिनिस्टीरियल (अमरीकी आयात का 1.2 प्रतिशत) में हुआ है। ये अपेक्षाकृत कम मूल्यवर्धित उत्पाद हैं, जिन्हें प्रौद्योगिकी में प्रगति से शायद ही कोई लाभ मिलता है, जिसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों में उत्पादन वृद्धि दर धीमी है और अधिक तेजी से गिरने की आशंका है। इसके अलावा, इस क्षेत्र के अन्य खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा भी कड़ी है।

एक अपेक्षाकृत उज्ज्वल स्थान कम्प्यूटर और शिक्षा रहा है, अमरीका का दूसरा सबसे बड़ा आयात बाजार, जो कुल आयात का करीब 15 प्रतिशत है। 2017 के बाद से चीन के आयात में 19 पी.पी.टी.एस. की गिरावट आई है, जबकि भारत का हिस्सा लगभग 10 गुना बढ़कर 2.1 प्रतिशत हो गया है। भारत के समग्र निर्यात मिश्रण में इलैक्ट्रॉनिक्स भी अब अधिक हिस्सेदारी रखता है। लेकिन इस उल्लेखनीय बढ़त के बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था प्रतिस्पर्धात्मकता और फलस्वरूप बाजार हिस्सेदारी के मामले में अपने एशियाई समकक्षों से काफी पीछे है। उच्च तकनीक निर्यात में एक निराशाजनक प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन 2017 और 2003 के बीच घरेलू मूल्य वर्धित मुद्रा में लगभग 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई (नाममात्र अमरीकी डॉलर के संदर्भ में)। घरेलू विनिर्माण विशेष रूप से अंतिम मांग (बाहरी) के लिए संघर्ष कर रहा है।

भारत की उत्पादन वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा अधिक आयातों के कारण संभव हुआ है, विशेष रूप से चीन से, जिसका आयात काफी हद तक निर्यात के साथ तालमेल में रहा है। चीन भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आयात स्रोत है। इलैक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, रसायन और फार्मा में, चीन 2023 में आयात का लगभग एक तिहाई हिस्सा था। इससे भारत को वियतनाम जैसे अन्य तीसरे देशों के साथ-साथ अमरीकी व्यापार प्रतिबंधों के अधीन होने का खतरा है, जो पहले से ही अधिक अमरीकी संरक्षण का अनुभव कर रहे हैं। भारतीय विनिर्माण को वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों का अधिक लाभ उठाने के लिए, आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की आवश्यकता होगी, जिसके लिए बदले में पर्याप्त निवेश की आवश्यकता होगी। वास्तव में, चीन और अमरीका तथा उसके सहयोगियों के बीच बढ़ते तनाव ने भी अधिक अंतर्राष्ट्रीय निवेश प्रवाह की उम्मीदें जगाई हैं।

भाजपा सदस्यता अभियान की ऐतिहासिक सफलता को लेकर संगठन ने की विभिन्न पुरस्कारों की घोषणा

जिला एवं प्रदेश स्तर पर सदस्यता लक्ष्य पूरा करने पर किया जाएगा पुरस्कृत

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा प्राथमिक सदस्यता अभियान 2024 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में अभी तक की रिकॉर्ड सदस्यता करने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन स्वरूप अलग-अलग श्रेणी में सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया है। यह सम्मान समारोह जिला एवं प्रदेश स्तर पर नवंबर महीने के अंत में आयोजित किया जाएगा।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक श्री सिंहदेव ने बताया कि 100 से अधिक सदस्य बनाने वालों को जिला स्तर पर सदस्यता शतक वीर पुरस्कार, 500 से अधिक सदस्य बनाने वालों को सदस्यता शक्ति पुरस्कार, 1000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता दीप और प्रदेश स्तर पर 3000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता श्री, 5000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता गौरव, 10000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता रत्न और 20000 से ऊपर सदस्य बनाने वालों को सदस्यता भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विधायकों, सांसदों को पृथक से सम्मानित किया जाएगा।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अनुराग सिंहदेव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान को लेकर लगातार कार्य कर रही है। बूथ, शक्ति केंद्र, मंडल, जिला एवं प्रदेशस्तरीय सदस्यता अभियान का कार्यक्रम लगातार जारी है। सदस्यता अभियान की ऐतिहासिक सफलता को देखते हुए भाजपा संगठन ने निर्णय लिया है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए जिला एवं प्रदेश स्तर पर सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक श्री सिंहदेव ने कहा कि सदस्यता अभियान के इन पुरस्कारों का वितरण जिलास्तर पर प्रभारी मंत्री, सांसद, प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला अध्यक्ष की उपस्थिति में किया जाएगा। प्रदेशस्तरीय के पुरस्कार का वितरण मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की उपस्थिति में प्रदान किया जाएगा।

भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक श्री सिंहदेव ने कहा कि भाजपा का यह सदस्यता अभियान 2 सितंबर से प्रारंभ हुआ, जो लगातार अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। भाजपा के सबसे पहले सदस्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने, उनके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सहित देशभर में भाजपा के सदस्य बने। छत्तीसगढ़ में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सदस्यता दिलाई। भाजपा का सदस्यता अभियान लगातार जारी है। अभी सक्रिय सदस्यता अभियान भी तेजी से चल रहा है।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

साहित्य का 'उर्फीकरण'!

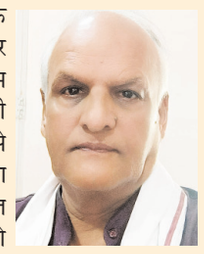

जिस समाज में नग्नता को धीरे-धीरे सामाजिक स्वीकृति मिलने लगी हो, उस दौर में अगर 'साहित्य आज तक' जैसे कार्यक्रम में खुलेआम फूहड़, अश्लीलता का भोंडा प्रदर्शन करने वाली किसी मॉडल को बुलाया जा रहा हो और उसे देखने के लिए रु. 499 का टिकट लगाया जा रहा हो, तो इसमें बहुत अधिक चिंता करने की बात नहीं है. न इस मसले को लेकर शुद्धतावादियों को अपना खून सुखाने की जरूरत है. टीवी चैनल आज तक वालों की पत्रकारिता हम सब देख रहे हैं. वहाँ कितनी पत्रकारिता और कितनी प्रायोजकीयता होती है, वह किसी से छिपी नहीं है. और ऐसे लिटफेस्ट में साहित्य के नाम पर क्या कुछ होता है, यह भी कहने की आवश्यकता नहीं. यहां साहित्य गौण रहता है, %टीआरपी% की भावना अधिक होती है. धीरे-धीरे हमारा पूरा साहित्यिक समाज कॉर्पोरेट घराने में तब्दील होता चला जा रहा है. अब ऐसा लगने लगा है कि साहित्य आम लोगों की चीज नहीं रही. साहित्य केवल प्रदर्शन का नाम हो गया है. तथाकथित बड़े प्रकाशक भी यही कोशिश करते रहे हैं कि बड़े अफसर या किसी पहुँच वाले शख्स की किताबें छापें, जो उन्हें मालामाल कर सके. और उसकी किताब बहुत शानदार ढंग से छपाते भी हैं. इतनी आकर्षक कि पहली नजर में देखकर लगता है कि यह कोई महान कृति है. बेचारा गुमराह पाठक खरीद लेता है और उसे पढ़ कर सिर पीटता है और गाली देते हुए कहता है कि उसका तो नुकसान हो गया. मॉडल के रूप में अपनी नग्नता को डंके की चोट पर सार्वजनिक करने वाली %अद्भुत प्रतिभा% की धनी ऊर्फी जावेद को देखने-सुनने लोग 499 रुपये खर्च करके जाएंगे और शायद आनंदित होकर भी लौटें. पता नहीं आयोजन के दिन वह किस तरह के कपड़े पहन कर आएगी. अकसर तो वह जिस्मदिखाऊ अजीबोगरीब कपड़े पहनकर लोगों को चौंकाने का काम ही करती है. उसके डिज़ाइनर कपड़े शरीर को ढंकने वाले हों तो भी कोई बात है. लेकिन वह शरीर को दिखाने वाले ही वाहियात किस्म के कपड़े पहन कर निकलती है. और हालात यह होती है कि उसकी हर हरकत वायरल हो जाती है. पहले लोग 'वायरल फीवर' से ग्रस्त हुआ करते थे. अब लोगों की हरकतें 'वायरल' होती हैं. इसी कड़ी में सबसे चर्चित नाम अब ऊर्फी जावेद का है. हालांकि कई बार लोगों को यह भ्रम होता होगा कि क्या यह शायर जावेद अख्तर की कोई रिश्तेदार है, तो ऐसा कुछ नहीं है.ऊर्फी जावेद की अपनी एक कहानी है. यह अलग परिवार है. वह खुद बताती है कि उसकी अजीबोगरीब हरकत के कारण उसको घर में खूब डाटा डांटा-फटकारा जाता था, इसलिए वह सत्रह साल की उम्र में घर छोड़कर भाग गई थी. लेकिन अब वह फिर घर वालों के साथ रहती है, क्योंकि उन्हें कमा कर दे रही है. उर्फी की जबरदस्त चर्चा के कारण ही साहित्य आजतक वालों ने उसे अपने 'शो' में आमंत्रित किया है और टिकट भी लगाया है. इसी भरोसे कि आयोजन स्थल खचाखच भरा रहेगा. लोग उसे सुनने कम, देखने अधिक आएंगे. हम सब ऐसे बीमार समय में रह रहे हैं, जब साहित्य में भी नग्नता का बोलबाला है. कुछ फिल्मों में भी नग्नता खुलेआम नजर आती है. कभी-कभी अश्लील गालियां भी दी जाती हैं. और आश्चर्य की बात है कि सेंसर बोर्ड भी उसे सेंसर नहीं करता. बेडरूम सीन भी दिखा दिया जाता है. साहित्य में अश्लीलता के लिए अभी तक कोई रोक-टोक नहीं है. कोई सेंसर बोर्ड नहीं है. इसीलिए अब साहित्य के कथित मंच पर बेशर्म मॉडल भी बुला ली जाती है. मेरे लिए यह चौंकाने वाली बात बिल्कुल ही नहीं है. जो लोग आयोजन कर रहे हैं,उनका साहित्य से कोई लेना-देना नहीं है. उनका मकसद बाजार है. कि कैसे उन्हें अधिक-से-अधिक लोकप्रियता मिले और विज्ञापन अर्जित कर सकें. उनका असली लक्ष्य बाज़ार होता है, साहित्य नहीं. ऊर्फी जावेद को बुला कर आयोजक अपनी दुकानदारी जमा लेगा. वह अपनी कमाई कर लेगा और सच्चा साहित्य खून के आँसू रोएगा. यह और कुछ नहीं, बदलते हुए समय में साहित्य का उर्फीकरण है.

विद्यार्थी जीवन में खेलों का बहुत महत्व है, इससे शरीर स्वस्थ एवं मजबूत बनता हैः डॉ. चंदेल

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय रायपुर में पूर्वी क्षेत्रीय अन्तर्महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता 2024 की शुरूआत हुई। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय रायपुर, स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर, कृषि महाविद्यालय, महासमुंद, कृषि महाविद्यालय भाटापारा, कृषि महाविद्यालय, मर्रा, पाटन तथा कृषि महाविद्यालय, गरियाबंद के 270 प्रतिभागी शामिल हुए जिनमें 160 छात्र एवं 110 छात्राएं हैं। 11 से 13 नवम्बर, 2024 तक आयोजित होने वाली इस तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न क्री?ा स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस अन्तरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत व्यक्तिगत स्पर्धाओं में लम्बी कूद, ऊंची कूद, ट्रिपल जंप, भाला फेंक, गोला फेंक, डिस्क थ्रो, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, हर्डल दौ? तथा 4X100 मीटर एवं 4ग्400 मीटर रिले दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। सामूहिक स्पर्धाओं के अंतर्गत वॉलीबाल, खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों का बहुत महत्व है। इससे शरीर स्वस्थ एवं मजबूत बनता है एवं बच्चों में टीम स्पिरिट तथा खिलाड़ी भावना का विकास होता है जो भविष्य में उन्हें सफल एवं अनुशासित नागरिक बनने में योगदान देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आव्हान किया कि वे अपनी पूरी क्षमता तथा मेहनत के साथ प्रतियोगिता में भाग लें तथा सफलता अर्जित करें। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने प्रतिभागियों को खेल भावना की शपथ दिलायी।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित समस्त कृषि महाविद्यालयों को चार जोन में विभाजित किया गया, जिसमें पूर्वी क्षेत्र के अन्तर्गत 11 महाविद्यालय आते हैं। पूर्वी क्षेत्रीय अन्तरमहाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में सात महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया है। विश्वविद्यालय के पश्चिम, उत्तर एवं दक्षिण जोन के 28 महाविद्यालयों में भी अन्तरमहाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

सेवानिवृत्त विंग कमांडर ओझा को राजकीय सम्मान के साथ दी गई भावभीनी विदाई

रायपुर। सेवानिवृत्त विंग कमांडर एमबी ओझा को आज महादेव घाट स्थित मुक्ति धाम में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। श्री ओझा को सेना के जवानों के द्वारा गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। श्री ओझा का 10 नंवबर को निधन हो गया था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उनके प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के प्रतिनिधि के रूप में आज विधायक श्री पुरंदर मिश्रा और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह महादेवघाट मुक्तिधाम पहुंचकर श्री ओझा के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधायक श्री मिश्रा, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह और अन्य सैन्य अधिकारियों ने श्री ओझा की अंतिम यात्रा में पार्थिव शरीर को कंधा दिया। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ, चीफ ऑफ एयर स्टाफ, जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ मध्य कमान, जीओसी मध्य भारत एरिया, सीओएसए कमांडर की ओर सैन्य अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एसएसपी श्री संतोष सिंह, राज्य सैनिक बोर्ड के संचालक ब्रिगेडियर विवेक शर्मा रिटायर्ड कर्नल, धर्मवीर सिंह चौहान, कर्नल सुमीत शर्मा, कर्नल राकेश बरतवाल, एयरकुमाडोर एलिक्स पिंटो, सहित सेना के अन्य अधिकारियों ने भी ओझा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। विंग कमांडर के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए रायपुर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने कहा कि उनके निधन से रायपुर ही नहीं बल्कि देश ने एक महान सपूत खो दिया। श्री ओझा के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़/राजधानी

करैत के डसने से मरणासन्न मासूम को नया जीवन

रायपुर-तीन तस्वीरों से समझा जा सकता है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार के प्रयास कैसे लोगों के जीवन में संजीवनी का काम कर रहे हैं। यह तस्वीर 3 साल के मासूम मानविक की है, जिसे जहरीले करैत सांप ने डस लिया था। मरणासन्न हालत में उसे मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में इलाज के लिए जब भर्ती कराया गया तो सांप का जहर पूरे शरीर में फैल चुका था उसकी स्थिति काफी गंभीर हो चुकी थी। शरीर में लकवे का असर दिख रहा था और सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी। शुरुआती 40 से 42 घंटे तक वह पूरी तरह से होश में नहीं आया था और उसे वेंटीलेटर में रखना पड़ा था। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रायगढ़ के डॉक्टरों ने एक हफ्ते तक गहन इलाज कर उसकी जान बचाई और नया जीवनदान दिया। करैत भारत में पाए जाने वाले सर्वाधिक जहरीले सांपों में से एक है। इसका जहर न्यूरोटॉक्सिक होता है।

करोड़ों की ठगी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देशन पर रेंज साइबर थाना रेंज रायपुर टीम द्वारा साइबर अपराधों में तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर विवेचना किया जा रहा है। निर्देसानुसार कार्यवाही करते हुए विवेचना क्रम में रेंज साइबर थाना द्वारा कार्यवाही करते हुए शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले चार अंतरराज्यीय साइबर आरोपियों को 24 परगना वेस्ट बंगाल, द्वारिका दिल्ली, विजयवाडा आंध्रप्रदेश एवं कोलार कॉलोनी भोपाल मध्यप्रदेश, से

गिरफ्तार किया गया है। केश 1 प्रार्थी रश्मि ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 88 लाख रुपए की ठगी होने की रिपोर्ट रेंज साइबर थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर रेंज साइबर थाना रायपुर में अपराध क्रमांक 14/24 धारा 318(4), 3(5), 238, 111 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना क्रम में पूर्व में उत्तर प्रदेश, बिहार, चेन्नई, कोलकाता से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अपराध में शामिल दो अन्य आरोपी 1 सुमन सिल पिता अमल सिल उम्र 28 वर्ष पता टेपुल, मेडिया स्वरूप नगर 24 परगना वेस्ट बंगाल 2 देवराज कुशवाहा पिता रामपाल उम्र 40 वर्ष पता कोलार कॉलोनी भोपाल मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया गया है।

बाघ को जहरः हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

रायपुर। तीन दिन पहले कोरिया वनमंडल में बाघ को जहर देकर मारने के मामले में हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर जवाब तलब किया है. बाघ की मौत के बाद वन विभाग के अफसर घटना स्थल पहुंचकर दो किलोमीटर के दायरे में रह रहे लोगों से पूछताछ करने में जुटे हैं. बता दें कि पिछले हफ्ते शुक्रवार को वन अफसरों को गुरु घासीदास नेशनल पार्क से सटे एरिया में ग्रामीणों के माध्यम से मृत बाघ के बारे में जानकारी मिली. बाघ की बॉडी 2-3 दिन पुरानी थी. घटना की सूचना पाकर कोरिया डीएफओ, गुरु घासीदास नेशनल पार्क के डायरेक्टर, सीसीएफ सरगुजा सहित वन अफसर मौके पर पहुंचे. बाघ का पोस्टमार्टम कराने पर रिपोर्ट में उसे जहर देकर मारने की पुष्टि हुई है. बाघ का पीएम वन विभाग, पुलिस, एनटीसीए के प्रतिनिधि व ग्रामीणों की उपस्थिति में चार सदस्यीय पशु चिकित्सकों की टीम ने किया. पोस्टमार्टम के बाद बाघ के जरूरी अंगों को लैब टेस्ट के लिए सुरक्षित रखा गया है. घटना के दूसरे दिन रायपुर से एपीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ घटना स्थल पहुंचे थे. बाघ को बदले की भावना से जहर देने की आशंका जताई जा रही है. बाघ द्वारा मवेशी के शिकार करने से मवेशी मालिक आक्रोशित हो गया होगा और उसने बाघ को मारने मवेशी के शेष बचे मांस में जहर मिलाकर दिया होगा.

पुलिसकर्मियों पर देसी कट्टे से फायरिंग की कोशिश, गिरफ्तार

रायपुर। जेल से पैरोल पर रिहा होने के बाद फरार हुआ कुख्यात मर्डर आरोपी राजा बैझड़ उर्फ रशीद अली राजधानी पुलिस के हत्थे चढ़ गया. टिकरापारा पुलिस की टीम ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए देर रात आरोपी को गिरफ्तार किया. आरोपी राजा बैझड़ ने पुलिस पर देसी कट्टे से हमला करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए उसे काबू में कर लिया.

घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र के मोती नगर की है, जहां मर्डर का यह आरोपी पैरोल से फरार था. पुलिस को सूचना मिलने के बाद टिकरापारा थाने की टीम आरोपी को पकड़ने गई थी. इसी दौरान आरोपी ने पुलिस पर देसी कट्टे से फायर करने का प्रयास किया. पुलिस ने उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से एक लोडेड कट्टा बरामद किया गया. इस कार्रवाई में पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं. घायल पुलिसकर्मियों में प्रधान आरक्षक महेश नेताम, आरक्षक असवन साहू और सुनील पाठक शामिल हैं. टिकरापारा थाना प्रभारी मनोज साहू की टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिसमें विवेक यादव, आनंद शर्मा और रूप धुर्वेशी भी शामिल थे. एडिशनल एसपी डी आर पोर्ते ने बताया कि कोविड के दौरान राजा बैझड़ पैरोल पर बाहर आया था.

अंडर-19 व सब जुनियर अंडर-15 में अर्जुन, आर्यन, सुष्मिता व आहना बने विजेता

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम एवं सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के सहयोग से 7 से 10 नवंबर तक सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल में आयोजित 22वीं स्टेग छत्तीसगढ़ राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2024 में यूथ अंडर-19 (यूथ) तथा यूथ अंडर-15 (सब जुनियर) बालक एवं बालिका एकल वर्ग कल सम्पन्न हुयी जिसमें अर्जुन मल्होत्रा, आर्यन सिंह तथा सुष्मिता सोम, आहना सिंह विजेता बने। सचिव विनय बैसवाड़े ने जानकारी दी की प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आंचलिक कार्यालय रायपुर के अंचल प्रमुख (छ.ग एवं उड़ीसा) बी.आर. रामा कृष्णा नायक जी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर्स राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी सी. एस. ठाकुर ने किया एवं विशेष अतिथि उपवनमंडलाधिकारी, गरियाबंद के मनोज चंद्राकर जी एवं बिलासपुर जिला टेबल टेनिस संघ के सचिव कपिल शुक्ला थे। मंच पर आयोजन सचिव विनय बैसवाड़े, विमल नायर एवं मुख्य निर्णायक प्रदीप जोशी उपस्थित थे।

मेकाहारा में एंटी-रैगिंग कमेटी की बैठक- अधीक्षक और सभी विभागाध्यक्षों ने पीड़ित और आरोपी छात्रों से की पूछताछ, डीन बोले-

पुलिस कार्रवाई और कॉलेज से निकाल देना समाधान नहीं

रायपुर। राजधानी रायपुर के पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। इस मामले में कमेटी ने शिकायतों की जांच के बाद एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के दो छात्रों को दोषी मानते हुए निलंबित भी कर दिया गया है। वहीं कॉलेज डीन डॉ. विवेक चौधरी, अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर और सभी विभागाध्यक्षों की मौजूदगी में आज एंटी-रैगिंग कमेटी की अहम बैठक हुई, जिसमें पीड़ित और आरोपी छात्रों से पूछताछ की गई। मामले में कॉलेज डीन विवेक चौधरी ने जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही है।

बता दें कि रैगिंग की यह

घटना बीते महीने प्रथम वर्ष के जूनियर छात्रों के साथ हुई थी। इसके बाद स्वजनों द्वारा नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से भी शिकायत की गई थी। साथ ही इंटरनेट मीडिया में भी इस तरह की शिकायतें पोस्ट कर उन्हें एनएमसी को टैग किया गया था, जिससे कॉलेज में खलबली मच गई। मामला गरमाने और विवाद गहराने के बाद आनन-फानन में एंटी-रैगिंग कमेटी को जांच की जिम्मेदारी सौंप दी गई। एंटी-रैगिंग कमेटी ने शिकायतों की जांच में जूनियर छात्रों के आरोपों को सही पाया। इस पर एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के दो छात्रों दीपराज वर्मा और अंशु जोशी को 10 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है।

एंटी-रैगिंग कमेटी की बैठक के बाद कॉलेज के डीन डॉक्टर विवेक चौधरी ने बताया, मामले में पीड़ित और आरोपी दोनों पक्षों से पूछताछ की गई है, अब एंटी रैगिंग कमेटी की जो रिपोर्ट होगी, उसके अनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मामला संज्ञान में आने के बाद प्राथमिक तौर पर कार्रवाई करते हुए तत्काल दो विद्यार्थियों को निलंबित किया गया था। उन्होंने कहा कि मैं खुद लगातार विद्यार्थियों के बीच जा रहा हूँ, उनके क्लास में जा रहा हूँ, विद्यार्थियों को समझाया गया है। जो भी समस्या है, तत्काल मुझे अवगत कराएँ।

कॉलेज डीन डॉक्टर विवेक चौधरी ने बताया कि वार्षिकोत्सव आयोजन में कार्यक्रम को लेकर विवाद की शुरुआत हुई थी और धीरे-धीरे बढ़ गई। मामले संज्ञान में आते ही तत्काल दोनों पक्षों को समझाया गया था, पुलिस कार्रवाई और कॉलेज से निकाल देना इसके लिए कोई स्थायी समाधान नहीं है, क्योंकि छात्रों के भविष्य के सवाल हैं। कार्रवाई होगी, रिपोर्ट अनुसार निलंबन अवधि बढ़ाई जाएगी। सूत्रों की मानें तो सीनियर छात्रों ने जूनियरों के साथ बेहद अमानवीय बर्ताव किया। ऐसी चर्चा है कि कई छात्रों के सिर भी मुंडवा दिए गए। इतना ही नहीं, प्रथम वर्ष के छात्रों का वॉट्सऐप ग्रुप बनाकर जूनियर लड़कियों की फोटो मांगी जा रही थी।

आईआरसी की 83वीं वार्षिक बैठकः सड़क अनुसंधान और गुणवत्ता नियंत्रण पर प्रस्तुतियां एवं चर्चाएं

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित सांईस कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित इंडियन रोड कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन के तीसरे दिन विभिन्न सत्रों के माध्यम से सड़क निर्माण, अनुसंधान और गुणवत्ता नियंत्रण पर चर्चा की गई है। तकनीकी सत्र में प्रधान सचिव, सचिव और मुख्य अभियंता की बैठक का आयोजन हुआ, जिसके साथ ही सत्र 13 में भारत में किए गए सड़क अनुसंधान कार्य पर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके बाद, सत्र 14 में राज्य सरकार के पीडब्ल्यूडी, स्थानीय निकाय और पीएसयू के अधिकारियों द्वारा सड़क निर्माण से संबंधित नवीनतम कार्यों पर चर्चा की गई।

द्वितीय तकनीकी सत्र में आईआरसी जर्नल में प्रकाशित शोध पत्रों पर प्रस्तुतियाँ (समानांतर सत्र) और हाईवे परियोजनाओं में गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण पर एक पैनल चर्चा आयोजित हुई। इसके पश्चात राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें उन्होंने अपनी परियोजनाओं और अनुभवों को साझा किया। व्यावसायिक बैठक में वार्षिक कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की गई।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.